संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 114 सोमवार 24 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## महत्वपूर्ण खबर

## बागेश्वर धाम अस्पताल में प्रधानमंत्री मोदी की मां के नाम पर होगा एक वार्ड

**छतरपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह के मौके पर पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने ऐलान किया है कि इस अस्पताल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के नाम पर एक वार्ड होगा। बागेश्वर धाम में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिमोट के जरिए प्रस्तावित साइंस और रिसर्च सेंटर का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले बागेश्वर धाम में स्थित बालाजी के मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की मां से भी मुलाकात की।

## महाशिवरात्रि पर्व में इस बार एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर रहेगा बंद

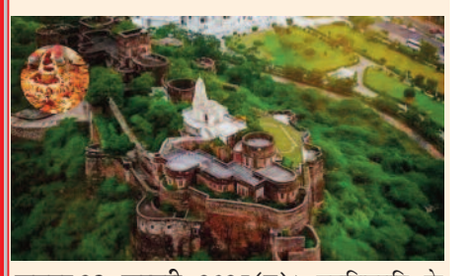

**जयपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जयपुर के मोती डूंगरी स्थित एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर के कपाट इस साल भी श्रद्धालुओं के लिए नहीं खुलेंगे। मंदिर प्रशासन ने इस संबंध में सूचना जारी कर दी है, जिसके बाद भक्तों में निराशा है। यह मंदिर साल में सिर्फ एक बार महाशिवरात्रि के दिन ही खोला जाता है, लेकिन कोविड महामारी के बाद से लगातार तीसरे साल भी मंदिर के कपाट बंद रहेंगे।

### अरविंदर सिंह लवली बने प्रोटेम स्पीकर

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025(ए)।** दिल्ली के

उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त कर दिया है। वहीं, 24 फरवरी को सत्र के पहले दिन सुबह 11 बजे नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और स्पीकर का चुनाव होगा।

# देशभर में 84 दवाएं क्वलिटी टेस्ट में फेल

### सीडीएससीओ की जांच में सामने आई बड़ी गड़बड़ी

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** देशभर में की गई दवा जांच में 84 बैच की दवाओं को गुणवत्ता मानकों पर खरा न उतरने वाला पाया गया है। इनमें एसिडिटी, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसी आम बीमारियों के लिए दी जाने वाली दवाएं भी शामिल हैं। नई दवाओं को मंजूरी देने और क्लिनिकल ट्रायल की निगरानी करने वाली शीर्ष संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने इस बारे में अलर्ट जारी किया है।

### हर महीने जारी की जाती है रिपोर्ट

सीडीएससीओ हर महीने बाजार में बिकने वाली दवाओं की गुणवत्ता पर जांच रिपोर्ट जारी करता है. दिसंबर 2024 की ताजा रिपोर्ट के

अनुसार कई नामी कंपनियों द्वारा निर्मित 84 दवाओं के बैच गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। यह जांच विभिन्न राज्यों में औषधि नियंत्रण प्राधिकरणों द्वारा की गई थी। अधिकारियों के अनुसार किसी दवा के बैच को हस्क्त तब घोषित किया जाता है जब वह तयशुदा गुणवत्ता मानकों में से किसी एक या अधिक में फेल हो जाता है।

### सीडीएससीओ ने दिए सख्त निरीक्षण के निर्देश

गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सीडीएससीओ ने हाल ही में दवा निरीक्षकों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन नए नियमों के अनुसार सभी दवा निरीक्षक को हर महीने कम से कम 10 सैंपल इकट्ठा करने होंगे। जिनमें 9 दवाओं के और 1 कॉस्मेटिक या मेडिकल डिवाइस का सैंपल होगा। निरीक्षकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सैंपल उसी दिन लैब में भेज दिए जाएं।

### रोगियों और डॉक्टरों के लिए सतर्क रहने की जरूरत

एक्सपर्ट्स का मानना है कि डॉक्टरों को भी दवाएं लिखते समय सावधानी बरतनी चाहिए और मरीजों को हमेशा भरोसेमंद ब्रांड की दवाएं ही खरीदनी चाहिए। अगर किसी दवा को लेकर कोई संदेह हो तो उसे तुरंत डॉक्टर से परामर्श करके बदल लेना चाहिए। सरकार द्वारा जारी इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि दवा निर्माण में लापरवाही अभी भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है और इसे रोकने के लिए लगातार सख्त निगरानी की जरूरत है।

### खराब दवाओं को बाजार से हटाने की प्रक्रिया

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि ऐसी दवाओं की पहचान कर उन्हें बाजार से हटाने की प्रक्रिया नियमित रूप से की जाती है। इस काम में राज्य स्तर के दवा नियामकों की भी मदद ली जाती है। एक अधिकारी ने बताया कि गुणवत्ता में गड़बड़ी वाली दवाओं को समय रहते पहचानकर कार्रवाई करना बेहद जरूरी है ताकि मरीजों की सेहत पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

अगर जांच स्थल किसी ग्रामीण या दूर इलाके में है तो अधिकतम अगले दिन तक सैंपल लैब में पहुंच जाना चाहिए सरकार की यह पहल मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए की जा रही है। समय-समय पर बाजार में बिक रही दवाओं की जांच करने से यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी दवा निर्धारित मानकों से कमतर न हो. अगर कोई दवा गुणवत्ता परीक्षण में फेल होती है तो उसे तुरंत बाजार से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है ताकि लोगों की सेहत पर इसका गलत असर न पड़े।

## आतिशी चुनी गई नेता विपक्ष

### दिल्ली विधानसभा में पहली बार सीएम और नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में होंगी महिलाएं

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को विधानसभा का नेता विपक्ष चुना गया है। रविवार को आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक में ये फैसला लिया गया है। बैठक में अरविंद केजरीवाल, आतिशी और गोपाल राय समेत पार्टी के कई अन्य बड़े नेता मौजूद रहेऐसा पहली बार है कि दिल्ली विधानसभा में सीएम और नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में महिलाएं होंगी।

### आप के कार्यों की रक्षा करनी हमारी जिम्मेदारी

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गोपल राय ने कहा कि आतिशी नेता विपक्ष होंगी। सभी विधायकों ने उन्हें चुना है। आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रह चुकी हैं। गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जो काम किए हैं। उनकी रक्षा की जिम्मेदारी हमें निभानी है। साथ ही बीजेपी ने जो वादे किए हैं। उसे पूरा करवाना, ये हमारे नेता प्रतिपक्ष की दोहरी जिम्मेदारी होगी।

### आज से शुरु होगा विधानसभा सत्र

24 फरवरी को सुबह 11 बजे नई विधानसभा का पहला सत्र शुरू होगा। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। तीन दिवसीय सत्र में विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा। यह सत्र 24 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगी।

25 फरवरी को विधानसभा के इस सत्र में उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण होगा। इसके बाद विधानसभा के पटल पर सीएजी रिपोर्ट रखी जाएगी। एलजी के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेंगी। 27 फरवरी को सदन में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

## आयुष्मान भारत योजना को मिली मंजूरी

### महिला सम्मान योजना पर विमर्श जारी

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** दिल्ली में रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके साथ 6 अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। इसके बाद शाम सात बजे कैबिनेट की पहली बैठक हुई। इस बैठक में आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने का फैसला किया गया।

साथ ही नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 14 रिपोर्ट्स को आगामी

विधानसभा सत्र में पेश करने का फैसला लिया गया। हालांकि पीएम मोदी ने कहा था कि दिल्ली में जीत के बाद पहली कैबिनेट बैठक में ही दिल्ली की महिलाओं को तोहफा देते हुए 'महिला सम्मान योजना' की शुरुआत की जाएगी, जो नहीं हुई।

### विस्तृत चर्चा के बाद लागू होगी महिला सम्मान योजना

पीएम मोदी ने कहा था कि पहली पहली कैबिनेट बैठक में ही 'महिला सम्मान योजना ' के तहत महिलाओं को 2500 रुपए की धनराशि मिलनी शुरू हो जाएगी। इस मुद्दे को लेकर भी कैबिनेट बैठक में चर्चा तो हुई, लेकिन लाभार्थियों की श्रेणी पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। इस बात को लेकर सीएम ने कहा कि 'महिला सम्मान योजना' महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित हो सकती है। हालांकि इसके लिए विस्तृत चर्चा की आवश्यकता है और विस्तृत चर्चा के बाद ही इस योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

## प्रयागराज में 25 किलो मीटर लंबा जाम

### संडे को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**प्रयागराज,23 फरवरी 2025 (ए)।** महाकुंभ 2025 के 42वें दिन रविवार (23 फरवरी 2025) को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। संगम नोज से लेकर पूरे मेलाक्षेत्र में तीर्थयात्रियों का तांता लगा है। प्रयागराज की सड़कों पर 25 किलोमीटर तक लंबा जाम है। रीवा, वाराणसी और कानपुर सहित अन्य रास्तों पर भी

वाहनों की लंबी कतार है। अवकाश के चलते रात से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं। सुबह से प्रयागराज शहर और हाईवे पर भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं के वाहन संगम से 10 किलोमीटर पहले रोके जा रहे हैं। श्रद्धालुओं को वहां से पैदल ही घाटों तक पहुंचना पड़ रहा है।

### पंडित धीरेंद्र शास्त्री की शादी को लेकर मोदी ने कह डाली बड़ी बात

**छतरपुर,23 फरवरी 2025 (ए)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सार्वजनिक मंच से ऐलान किया कि वे ना केवल मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में बनने वाले कैंसर अस्पताल के उद्घाटन समारोह में आएंगे, बल्कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की बारात में भी शामिल होंगे। मोदी बागेश्वर धाम में बनने वाले कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मोदी ने हास परिहास करते हुए कहा कि अब तक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ही सबकी पर्ची' निकालते आए हैं, पर क्या वे अकेले ही पर्ची निकालेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज बागेश्वर धाम आकर श्री हनुमान ने उन्हें भी आशीर्वाद दे दिया है और इसी के तहत उन्होंने पंडित शास्त्री की माता जी की मनोकामना की पर्ची निकाली है और उनके मन की बात को सबके सामने लेकर आए हैं। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि वे ना केवल कैंसर अस्पताल के उद्घाटन के लिए भी आएंगे, बल्कि पंडित शास्त्री की बारात में भी आएंगे।

## बिहार विधानसभा चुनाव से पहले निशांत कुमार के राजनीति में आने की मांग

### जेडीयू दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

**पटना,23 फरवरी 2025 (ए)।** बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राजधानी पटना में जनता दल (यूनाइटेड) यानी जेडीयू के दफ्तर के बाहर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की मांग को लेकर पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है, बिहार करे पुकार... आइए निशांत कुमार। पार्टी कार्यकर्ताओं ने निशांत को राजनीति में लाने की अपील करते हुए पोस्टर लगाए हैं। जेडीयू ने इसे कार्यकर्ताओं की भावना बताते हुए निशांत को सक्षम और योग्य बताया है। यह कदम बिहार की राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है, खासकर तब, जब हाल ही में निशांत ने अपने पिता की सेहत पर उठाए

गए सवालों पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव को जवाब दिया था।

### निशांत और तेजस्वी के बीच बयानबाजी

निशांत के बयान पर तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, मेरे पिता लालू प्रसाद यादव नीतीश कुमार से ज्यादा स्वस्थ हैं। लालू जी ने सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और केंद्र से बिहार के लिए 1.65 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिलवाया। उन्होंने जो बिहार के लिए किया, वह किसी और ने नहीं किया। तेजस्वी ने निशांत को अपने भाई संबोधित करते हुए सलाह दी, निशांत को अब संभल जाना चाहिए।

लेकिन उन्हें यह भी सोचना चाहिए कि सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और पीएम मोदी जैसे लोग, जो नीतीश के साथ हैं, पहले उनके मानसिक संतुलन पर सवाल उठाते थे। इस पोस्टरबाजी और बयानबाजी ने बिहार की राजनीति में निशांत कुमार की संभावित एंट्री को लेकर अटकलों को और हवा दी है। चुनावी माहौल में यह घटनाक्रम एक नया मोड़ ला सकता है।

## सुरंग में फंसे 8 मजदूरों को बचाना क्यों हो रहा मुश्किल?

**तेलंगाना,23 फरवरी 2025 (ए)।** तेलंगाना के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एस एल बीसी) में चल रहे बचाव अभियान में भारतीय सेना भी शामिल हो गई है, ताकि फंसे हुए श्रमिकों को जल्गद से जल्द बाहर निकाला जा सके। बता दें कि एसएलबीसी परियोजना में सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने के बाद शनिवार को सुरंग में 8 मजदूर फंस गए थे और पिछले 30 घंटों से सुरंग के अंदर ही फंसे हुए हैं। यह घटना शनिवार सुबह करीब 8.30 बजे हुए थी और अंदर फंसे 8 मजदूरों को बचाने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान में तेलंगाना सरकार, भारतीय सेना के अलावा नौसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और देश के कई सुरंग विशेषज्ञों के साथ मिलकर उन आठ लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) में बचाव कार्य में मुश्किल का सामना करना पड़ा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य इतना कठिन हो गया है, क्योंकि सुरंग में घुटनों तक कीचड़ भर गया है, जिससे सीधे पहुंचना असंभव हो गया है।

## यूट्यूबर रणवीर अलाहाबादिया के बाद बिग बॉस 17 विजेता मुनव्वर फारूकी की हफ्ता वसूली पर एक्शन

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** स्टैंड-अप कॉमेडियन और बिग बॉस 17 विजेता मुनव्वर फारूकी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनके नए शो हफ्ता वसूली के खिलाफ दिल्ली पुलिस में

शिकायत दर्ज की गई है। एडवोकेट अमिता सचदेव ने मुनव्वर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने, अश्लीलता फैलाने और सांस्कृतिक मूल्यों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, मुनव्वर फारूकी का शो हफ्ता वसूली, जो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है, समाज और युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहा है।

## श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अधिकारियों के द्वारा मछली पकडने वाली उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया कि मछली पकडने वाली पांच

भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान के मुताबिक, नौसेना ने इस साल अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकडने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है।

## अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं तो विकल्प खुले हैं...

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद शशि थरूर और पार्टी नेतृत्व के बीच तनाव खुलकर सामने आने लगा है। हाल ही में राहुल गांधी से मुलाकात के बाद थरूर नाराज बताए जा रहे हैं। उन्होंने पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर सवाल किया था, लेकिन राहुल गांधी की ओर से उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।

केरल कांग्रेस के हमलावर रुख के बीच शशि थरूर ने अब खुलकर अपनी बात

रखनी शुरू कर दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मेरे पास और भी विकल्प हैं। उनके इस बयान के बाद सियासी हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। थरूर ने हाल ही में एक अखबार में केरल की पिनाराई विजयन सरकार की सराहना की थी, साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका और फ्रांस यात्रा की भी तारीफ की थी। इन बयानों के चलते कांग्रेस नेतृत्व उनसे नाराज नजर आ रहा है। लेकिन इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में थरूर ने कहा, मैं पार्टी के लिए उपलब्ध हूं, लेकिन अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं, तो मेरे पास और भी रास्ते हैं।

## एलओसी पर चार साल बाद भारत-पाकिस्तान के बीच फ्लैग मीटिंग

### सीमा पार आतंकवाद पर दो टूक चेतावनी

नई दिल्ली,23 फरवरी 2025 (ए)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर बढ़ते तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच पुंछ सेक्टर में आज फ्लैग मीटिंग हुई।

## संपादकीय

# ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणा के अनुसार कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की है।उन्होंने शांति वार्ता को जमीन पर उतरने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत की। इसी का परिणाम है कि मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री शांति वार्ता का प्रारूप तैयार करने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का यूक्रेन के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है और इसमें यूरोप के साथ गहराते मतभेदों के संकेत हैं। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की दिशा प्रयास कर रहे हैं तो उनके प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि इस युद्ध में यूक्रेन ने बहुत तबाही मोल ली है। इसलिए इसे रुकना ही चाहिए। बाइडन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह' कहा था और युद्ध को भड़कने का आरोप लगाया था।दूसरी ओर यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में आपातकालीन बैठक कर यूक्रेन मुद्दे पर एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर चर्चा की। वास्तव में ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति ने यूरोप और स्वयं यूक्रेन के सामने हाशिये पर जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को सऊदी अरब में आयोजित शांति वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। नतीजतन शांति वार्ता की सफलता संदिग्ध है। जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय देश रूस के साथ अपने विरोधपूर्ण संबंधों के कारण उसके आगे समर्पण करना नहीं चाहते। यूरोपीय देश यूक्रेन को हारता देखना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें यह समझ में क्यों नहीं आता कि अपनी थोड़ी सी सहायता के बल पर यूक्रेन को युद्ध में झोंके रखना वस्तुत- कीव को विनाश के कगार पर पहुंचाना है।अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद पर तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर मोहर लगने के बाद यूरोपीय देशों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें युद्ध विरोधी नेता माना जाता है। भारत शुरू से युद्ध समाप्त करने के पक्ष में खड़ा रहा है। अभी पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान यूक्रेन पर अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत तटस्थ नहीं रह सकता। भारत रूस को अपना विसनीय सहयोगी मानता है और वह किसी भी ऐसे कदम का स्वागत करेगा जो चीन और उसके गहराते संबंधों पर लगाम लगाए।

# लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता कितनी जायज ?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा



लिव-इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10 प्रतिशत मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाक़ी 90 प्रतिशत मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह,जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी-प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज़ करते हैं उतनी ही तेज़ी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेज़ी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी-प्रेमिकाओं को लिव-इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति-पत्नी जैसा रहने का मौका मिल जाता है और पति-पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण-पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे क़दम उठा लिया करती हैं।

वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। भारतीय युवाओं की जीवन शैली में तेज़ी से बदलाव आ रहा है। इसके लिए ये आधुनिक संस्कृति को अपनाने में कोई भी झिझक महसूस नहीं करते और लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक संस्कृति की ही एक शैली है। आजकल के युवा लिव इन रिलेशनशिप को वैवाहिक जीवन से बेहतर मानने लगे हैं। आज की पीढ़ी शादी और लिव इन रिलेशनशिप को एक जैसा ही मानती है। इनका मानना है कि शादी में समाज और क़ानून का हस्तक्षेप होता है किन्तु लिव इन रिलेशनशिप में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। बल्कि पूरी आज़ादी होती है। लेकिन शादी और लिव इन रिलेशनशिप में अंतर है। ये प्रथा जितनी आसान लगती है उतनी ही पेचीदा है। जितने इसके फ़ायदे हैं उससे कहीं ज़्यादा नुक़सान हैं। इस तरह के सम्बंध प्रायः पश्चिमी देशों में बहुतायत में देखने मिलते हैं। क्योंकि वहाँ की संस्कृति इस प्रथा को सहज ही स्वीकार करती है। वहाँ की लाइफ़स्टाइल भी कुछ इसी तरह की है। भारत में भी कुछ वर्षों से इस व्यवस्था को सपोर्ट मिला है। जिसके पीछे महानगरों में बसने वाले कुछ लोगों के बदलते सामाजिक विचार, विवाह की समस्या और धर्म से जुड़े मामलों का होना माना जा सकता है। समाज का एक वर्ग इसे भारतीय संस्कृति के लिए सबसे बड़ा ख़तरा मानता है। तो वहीं दूसरा वर्ग इसे आधुनिक परंपरा में बदलाव के रूप में देखते हुए स्वतन्त्र जीवन जीने के लिए वरदान मानता है। हर चीज़ के अपने-अपने फायदे और नुक़सान होते हैं।

हाल ही में अधिनियमित उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) ने लिव-इन पार्टनरशिप के लिए व्यापक विनियमों की एक शृंखला स्थापित की,जिसका लक्ष्य उन्हें विनियमित करना और उनकी कानूनी मान्यता की गारंटी देना है। लेकिन इनसे काफ़ी चर्चा भी हुई है और सरकारी निगरानी तथा गोपनीयता को लेकर चिंताएँ भी पैदा हुई हैं। पिछले 20 वर्षों में, लिव-इन रिलेशनशिप-जिसमें जोड़े बिना शादी किए एक साथ रहते हैं-भारतीय समाज और कानून में अधिक स्वीकार्य हो गए हैं। अतीत में भारतीय समाज पारंपरिक मूल्यों पर आधारित था और प्रतिबद्ध रिश्ते का एकमात्र स्वीकृत रूप विवाह था। लिव-इन पार्टनरशिप को अक्सर कलंकित माना जाता था तथा समाज द्वारा इसे नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता था। हालाँकि, वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद एस. खुशबू बनाम) का उपयोग करते हुए, भारतीय अदालतों ने कई फैसलों में लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी है। कन्नियाम्मल (2010) के अनुसार, लिव-इन पार्टनरशिप व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आती है। सरमा, इंद्र वि। 3. के. वी. । सरमा (2013) इसने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 (पी डब्ल्यू डी वी ए) के तहत विवाह जैसे दिखने वाले लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी और उन्हें विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने रेखांकित किया है कि साथी चुनने और घनिष्ठ सम्बंध स्थापित करने की स्वतंत्रता संविधान के मुक्त भाषण और अभिव्यक्ति पर अनुच्छेद 19 (सी) के अंतर्गत आती है।

घरेलू हिंसा के विरुद्ध संरक्षण अधिनियम, 2005 (पीडब्ल्यू डीवीए) अपने दायरे में विवाह की प्रकृति वाले सम्बंधों को शामिल करके, लिव-इन सम्बंधों में घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं को संरक्षण प्रदान करता है। डी. वेलुसामी बनाम के सम्बंध में। न्यायालय ने डी. पचैअम्मल (2010) में फ़ैसला सुनाया कि केवल विवाह जैसे रिश्ते ही घरेलू हिंसा कानूनों के तहत कानूनी संरक्षण के लिए योग्य होंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने उन मामलों में व्यवस्था दी है जहाँ लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों को कानूनी रूप से विवाहित माता-पिता के समान उत्तराधिकार के अधिकार प्राप्त होंगे। उत्तराखंड यूसीसी के तहत लिव-इन पार्टनरशिप का पंजीकरण होना आवश्यक है। यह उत्तराखंड के निवासियों और भारत के बाहर रहने वाले लोगों दोनों पर लागू है। जो जोड़े एक साथ रहने का निर्णय लेते हैं, उन्हें अपने रिश्ते को यूसीसी के तहत शुरू और अंत में पंजीकृत कराना होगा। यदि वे औपचारिक रूप से अपने रिश्ते को स्थापित करना चाहते हैं, तो विवाह के लिए युगल की पात्रता की पुष्टि करने वाला धार्मिक नेता से प्राप्त प्रमाण पत्र, आधार से जुड़ा ओटीपी, तथा पंजीकरण शुल्क,सहायक दस्तावेजों के साथ आ सकते हैं। यूसीसी अधिनियम के तहत 74 प्रकार के सम्बंधों पर प्रतिबन्ध है, जिनमें से 37 पुरुषों के लिए तथा 37 महिलाओं के लिए हैं। धार्मिक नेताओं या सामुदायिक नेताओं को उन जोड़ों को अपनी स्वीकृति देनी चाहिए जो निषिद्ध सम्बंधों की इन श्रेणियों में आते हैं। यदि रजिस्ट्रार यह निर्धारित करते हैं कि सम्बंध सार्वजनिक नैतिकता या रीति-रिवाजों का उल्लंघन करता है तो वे पंजीकरण से इनकार कर सकते हैं। प्राइवेसी कंसर्न (न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ) के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत गोपनीयता के अधिकार का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, साथ ही लोगों के निजी जीवन पर अधिक आधिकारिक निगरानी भी की जा रही है। नये नियमों से जातियों और धर्मों के बीच सम्बंधों में संभावित बाधाएँ उत्पन्न होने से चिंताएँ उत्पन्न हो गई हैं। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 और पीडब्ल्यूडीवीए, 2005, वर्तमान में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को भरण-पोषण का अनुरोध करने की अनुमति देते हैं; हालाँकि, ये अधिकार अयोग्य नहीं हैं। कानूनी विवाद उन लोगों से उत्पन्न हो सकते हैं जो लंबे समय तक ऐसे रिश्तों के प्रति प्रतिबद्ध हुए बिना उनमें प्रवेश करते हैं, लेकिन बाद में अपने कानूनी अधिकारों का दावा करते हैं। विशेषकर रूढ़िवादी समुदायों में,यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। यद्यपि उत्तराखंड यूसीसी लिव-इन पार्टनरशिप को कानूनी संरक्षण और मान्यता प्रदान करना चाहता है, लेकिन यह गोपनीयता और सरकारी हस्तक्षेप के महत्त्वपूर्ण मुद्दे भी उठाता है। नए नियमों को इस तरह लागू करने के लिए कि सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिले और व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा हो, रिश्तों को नियंत्रित करने और व्यक्तिगत स्वायत्तता को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना आवश्यक होगा। यदि समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों का स्थान ले ले, तो सहवास में महिलाओं की समानता की गारंटी पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

लिव-इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10 प्रतिशत मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाक़ी 90 प्रतिशत मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी-प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज़ करते हैं उतनी ही तेज़ी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेज़ी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी-प्रेमिकाओं को लिव-इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति-पत्नी जैसा रहने का मौक़ा मिल जाता है और पति-पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज़्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण-पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे क़दम उठा लिया करती हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# लोककला के नाम पर अश्लीलता का तड़का

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

### अश्लीलता फैलाने वाले कलाकारों पर लगे बैन,ग़लत दृश्य दिखाना, अश्लील नाटकों-गीतों का मंचन समाज से खिलवाड़

एक ओर जहाँ कई लोग संस्कृति को प्रमोट करने के लिए अपना करियर, अपनी मेहनत और अपना सब कुछ दांव पर लगा रहे हैं तो कोई हमारी संस्कृति को इस तरह से बदनाम कर उसे अश्लील गानों के साथ परोस रहे हैं। अब आप ही सोचिए की अगर हमें ऐसी अश्लीलता ही दिखानी है या देखनी है तो आने वाले समय पर हम संस्कृति के नाम पर क्या करेंगे और क्या-क्या होगा? कला का सहारा लेकर कुछ लोग कम समय में चर्चित होना चाहते हैं। मशहूर होना है तो अपने हुनर से हों। चर्चा में रहने के लिए कला और अपनी संस्कृति से खिलवाड़ करना एकदम ग़लत है। ऐसे कलाकारों को सजा होनी चाहिए। अश्लीलता फैलाने के लिए कुछ लोग कला की आड़ ले रहे हैं। अश्लील नाटक, गीतों का मंचन करने वाले कलाकार ही नहीं बल्कि वे आयोजक और संयोजक भी दोषी है, जो ऐसी प्रस्तुतियों को बढ़ावा देते हैं। इन गीतों का श्रवण विशेषकर युवा वर्ग आनंदपूर्वक करता है। कई अवसरों पर शादी-व्याह आदि उत्सवों में कुछ बुज़ुर्ग जन भी इस तरह के गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हैं। सांस्कृतिक परम्परा पर चिंतन करने वाले लोग इसे लोक संगीत पर गहरी ठेस मानते हैं। आशिकी अंदाज़ के साथ पाश्चात्य संस्कृति की चपेट में आकर गीत गाने वाले गायक-गायिकाएँ,नायक-नायिकायें धीरे-धीरे सांस्कृतिक पहरूओं की नज़र का कांटा बनते जा रहे हैं। ऐसा मालूम पड़ता है यदि इन्हीं गीतों का दौर अश्लीलता की पराकाष्ठा लांगता रहा तो इस तरह के लोगों का सामाजिक बहिष्कार ज़रूरी हो सकता है।

वर्तमान परिदृश्य में लोककला के नाम पर अश्लीलता परोसी जा रहा है, जो कि चिंतनीय व शर्मनाक है। यह न केवल इन परंपरागत शैलियों को धूमिल कर रहा है बल्कि विदेशी / वेस्टर्न के चक्कर में हम अपनी पहचान से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया या यूट्यूब, फ़िल्म हो या टीवी के कार्यक्रम सभी जगह फूहड़ नाच का नंगा प्रदर्शन किए जाने की परंपरा ने ज़ोर पकड़ लिया है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर रिल्स,गानों, फ़िल्मों,कार्यक्रमों सबमें अश्लीलता इस क़दर घर करती जा रही है कि आप अपने परिवार के साथ देख ही नहीं सकते और रही सही कसर अब नंगे होकर रील बनाने वालों ने पूरी कर दी है। अधिकतर गाने,एलबम और सिनेमा अश्लीलता से भरपूर है। आज के लोकगीत सुनने की ही बात कर लें तो उन गानों के हर शब्द में अश्लीलता कूट-कूट कर भरा होता है। जब हम-आप परिवार के साथ मिलकर गाना नहीं सुन सकते तो यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन गानों के सीनों का क्या हाल होगा। ऊपर से अश्लीलता का कम्पीटिशन इस क़दर होता जा रहा है कि एक से एक हिट एलबम, गाने बनते हैं। अश्लीलता को दिखाने का होड़ इस क़दर है कि मत पूछिए। इस बारे में कलाकारों, गायकों से पूछ लिया जाता है तो छूटते ही कहते हैं कि यह तो पब्लिक डिमांड है। जनता यही सब देखना पसंद करती है। ऐसा न परोसें तो गाना हिट ही नहीं होगा। अब ऐसे कलाकारों को कौन समझाए कि अश्लीलता की शुरुआत तो फ़िल्मों व गानों के जरिए ही हमारे समाज में फैली। जिसे रोकने का कोई सकारात्मक क़दम नहीं उठाया गया। ऐसे मजनू कलाकारों के चक्कर में हमारा पूरा समाज दूषित होता जा रहा है। मान-मर्यादा सब छिन्न-भिन्न होता जा रहा है।

यदि आज भी हम नहीं सचेते तो

न जाने हमारे समाज की दशा और दिशा क्या होगी। ऐसा नहीं है कि ऐसे नृत्यों का असर नहीं हो रहा है। पिछले 5-10 सालों में जिस प्रकार का नृत्य व गाने प्रस्तुत किए है, उसने तो हमारे समाज के ताना-बाना को ही हिलाकर रख दिया है। ये मन को शांत करने के बजाय अशांत ही कर देता है। बाज़ार की लालची और मुनाफाखोर प्रवृत्ति ने एक लोककला की हत्या कर दी और अब उसके नाम पर लोगों को अश्लीलता परोस रही है। इन्टरनेट ने बेशक लोगों तक ज़्यादा सूचनाएँ पहुँचाई है लेकिन इसने ग्रामीण सौंदर्यबोध और मान-मर्यादा को खंडित कर दिया। वह हर चीज को अधिक बिकाऊ बनाने के लिए अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी। कुल मिलाकर यह आसानी से देखा जा सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोनेटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज़्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनाओं पर उसने घातक प्रहार किया है। संगीत की शालीनता पर फूहड़पन भारी वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं आशिक मिजाज गीतकार जिससे देशभर में लम्पटीकरण भरे गीतों के प्रचलन से संस्कृति को गहरी चोट पहुँची है। आधुनिकता की चकाचौंध में हमारी संस्कृति व विरासत से जुड़े गीत न जाने कहाँ गुम से हो गये हैं और प्रचलन बढ़ा उन मद भरे गीतों का, जिनमें से संस्कृति व सौन्दर्य गायब होकर उपहासित हो गयी है। लम्पटीकरण के शब्द गीतों में भर आये हैं। वर्तमान में तथाकथित रचनाकारों द्वारा रचित गीतकारों, मजनू गायकों द्वारा गाये हुए गीतों में पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर नंगापन आ गया है। इन अलफाजों में गीत गाने वाले गायकों को इतनी भी शर्म नहीं है कि जिस अंदाज़ में वे अपने शब्दों को व्यक्त कर रहे हैं व अंदाज़ जिस डाल पर बैठे हैं उसी को काटने जैसा है।

यही अंदाज़ संस्कृति पर गहरी चोट मार रहा है। लोक गायकों के नाम पर अश्लील लिंक्स से सोशल मीडिया बाज़ार भरा पड़ा है। कई चैनलों पर भी इस तरह के गीतो का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा है। गीत बिकवाने की होड़, व्यूज और लाइक्स के जरिए पैसा कमाने की लालसा, इन सबने पहले ही संस्कृति व विरासत धूमिल कर डाली है क्योंकि गीत संगीत ही एक ऐसा माध्यम होता है जो समाज को संदेशो का पैगाम देती है। आज ये पैगाम अपनी दिशा बदल चुके हैं। विभिन्न बस स्टेशनों, चलने वाले विभिन्न जीप-कार,बसों में जो गीत सुनने को मिलते हैं उनमें छिछोरापन व लम्पटीकरण का अंदाज़ साफ़ झलकता है। इन गीतों का श्रवण विशेषकर युवा वर्ग आनंदपूर्वक करता है। कई अवसरों पर शादी-व्याह आदि उत्सवों में कुछ बुज़ुर्ग जन भी इस तरह के गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हैं। सांस्कृतिक परम्परा पर चिंतन करने वाले लोग इसे लोक संगीत पर गहरी ठेस मानते हैं। आशिकी अंदाज़ के साथ पाश्चात्य संस्कृति की चपेट में आकर गीत गाने वाले गायक-गायिकाएँ,नायक-नायिकायें धीरे-धीरे सांस्कृतिक पहरूओं की नज़र का कांटा बनते जा रहे हैं। ऐसा मालूम पड़ता है यदि इन्हीं गीतों का दौर अश्लीलता की पराकाष्ठा लांगता रहा तो इस तरह के लोगों का सामाजिक बहिष्कार ज़रूरी हो सकता है। आज के गानों में बंदूक, दारू,लड़कीबाजी व अश्लीलता का आयाम देखने को मिल रहा है जो कि हमारी संस्कृति के लिए और गानों के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। अब गीत के कलाकार, गायक, निर्माता ऐसा क्यों कर रहे हैं ये तो बड़ा सवाल है?

या फिर हो सकता है कि दर्शकों को लुभाने या फिर गाने के नाम पर अश्लीलता परोसा कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए ये सब किया जा रहा हो लेकिन बदनाम संस्कृति व लोककला से जुड़े लोग भी हो रहे हैं। एक ओर जहाँ कई लोग संस्कृति को प्रमोट करने के लिए अपना करियर, अपनी मेहनत और अपना सब कुछ दांव पर लगा रहे हैं तो कोई हमारी संस्कृति को इस तरह से बदनाम कर उसे अश्लील गानों के साथ परोस रहे हैं। अब आप ही सोचिए की अगर हमें ऐसी अश्लीलता ही दिखानी है या देखनी है तो आने वाले समय पर हम संस्कृति के नाम पर क्या करेंगे और क्या-क्या होगा? कला का सहारा लेकर कुछ लोग कम समय में चर्चित होना चाहते हैं। मशहूर होना है तो अपने हुनर से हों। चर्चा में रहने के लिए कला और अपनी संस्कृति से खिलवाड़ करना एकदम ग़लत है। ऐसे कलाकारों को सजा होनी चाहिए। अश्लीलता फैलाने के लिए कुछ लोग कला की आड़ ले रहे हैं। अश्लील नाटक, गीतों का मंचन करने वाले कलाकार ही नहीं बल्कि वे आयोजक और संयोजक भी दोषी है, जो ऐसी प्रस्तुतियों को बढ़ावा देते हैं।

# रेवड़ियां हासिल करने वाले ज्यादा दोषी

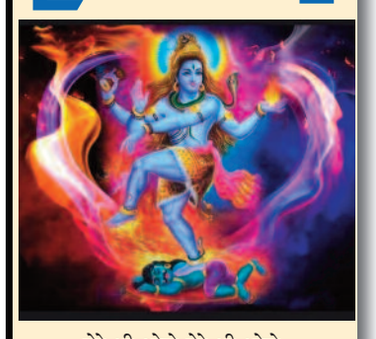

भारतीय राजनीति में रेवड़ियों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता व्यक्त करते हुए इस प्रक्रिया को प्रजातंत्र के लिए काफी आत्मघाती कदम बताया है अब इसे प्रजातंत्र पद्धति में व्याप्त दोष कहां जाए या और कुछ किंतु मेरी नजर में तो देश विरोधी सिलसिला है जिसके लिए रेवड़ियां बांटने वाले कम उसे हासिल करने वाले ज्यादा दोषी है क्या हमारा स्तर इतना गिर चुका है कि आजादी की हीरक जयंती तक हम अज्ञानी और भिखारी बने हुए और थोड़े से लालच में अयोग्य और अवसरवादियों के हाथों में देश का भविष्य सौंप रहे हैहमारे राजनेताओं की तो यह एक सोची समझी चाल है जिसके तहत वे भारतवासियों को हमेशा लाचार और दया का पात्र बनाकर रखना चाहते हैं तथा समय आने पर उसकी मजबूरी का राजनीतिक फायदा उठाते रहते हैं वह नहीं चाहते कि देश का आम मतदाता अपनी ज़रूरतें पूरी करने में पूर्णता सक्षम होअब सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी को कितने लोग समझ पा रहे हैं या जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं यह एक अलग बात है किंतु इस मामले में सुप्रीमकोर्ट की चिंता एकदम सही है अब तो हमारे प्रजातंत्र का यह आम चलन ही हो गया है कि देश के लोगों को कभी भी आत्मनिर्भर व चिंता मुक्त मत होने दो तथा इन्हें हर तरीके से इतना परेशान करके रखो कि आम आदमी उनकी शरण में आने को मजबूर हो जाएऔर वह उसकी आड़ में अपनी राजनीतिक स्वार्थ



सिद्धि कर ले पहले तो सिर्फ चुनाव के समय ही रेवड़ियों का पिटारा खोलने का चलन था पर अब तो यह पिटारे कभी भी खोले जाने लगे हैं और राजनीतिक स्वार्थसिद्धि चुनावों की तरह 12 मास जारी रहती हैयही नहीं इन पर अंकुश तो राजनेता अपने स्वार्थ वश लगा नहीं रहें हैं, और सरकारें भी इस दिशा में मौन दर्शक बनी हुई है अब ऐसी स्थिति मे न्यायपालिका ही है जिसने अपना मौन तोड़ा है और वह अब इस दिशा में भी सक्रिय नजर आ रही है। ब यहां अहम सवाल यह पैदा होता है की आजादी के 75 साल आम नागरिक आज याचक क्यों बना हुआ हैइतनी लंबी अवधि में वह हर दृष्टि से आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया वास्तविकता यह है कि हमारे राजनेताओं ने ही आम आदमी को आत्मनिर्भर नहीं बनने दिया हर सुविधा आम आदमी को मुफ्त में मुहैया करा कर उसे आलसी बना दियाजीवन की हर सुविधा यदि मुफ्त में मिल जाए तो फिर भला मेहनत करना कौन पसंद करेगा यही स्थिति आज भारत में आम आदमी की है। और आम आदमी का हाल यह है कि आजादी के इतने लंबे अंतराल के बाद भी वह लाचार और बेबस बना हुआ है जिसका फायदा राजनीतिक दल उठा रहे है और सही तो यही है कि जब तक आम आदमी स्वयं को लेकर सक्रिय नहीं होगातब तक देश में यही सब चलता रहेगा फिर देश चाहे किसी भी दिशा मे क्यों न जाए और इसीलिए आज जो चिंता आम आदमी को करनी चहिए वह सर्वोच्च न्यायालय कर रहा है अब इस सब के बाद भी हम यदि नहीं जागे तो फिर हमारे दुर्भाग्य के लिए और कोई नहीं हम स्वयं ही दोषी होंगे और यदि यही आगे भी चलता रहा तो हम भारतवासी फिर से अपनों के ही अधीन होकर परतंत्र की जिंदगी गुजारेंगे और देश में लूटमार जारी रहेगी और इसका भविष्य अंधकार में हो जाएगा

**-ओमप्रकाश मेहता-**

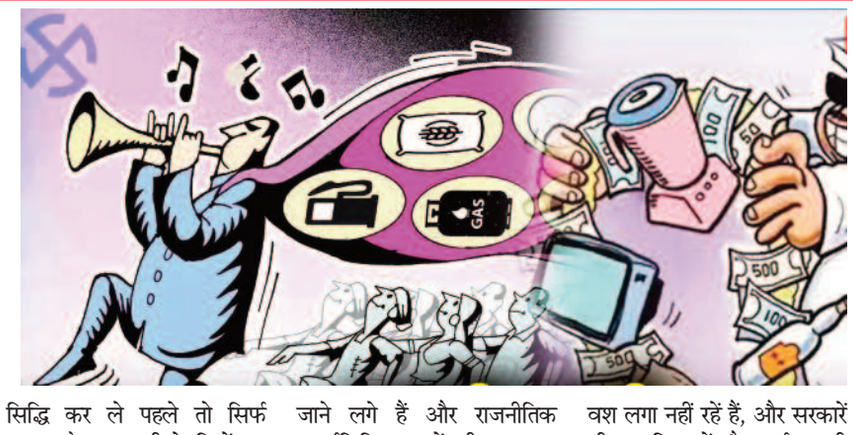



## कविता
### मिलकर बोलें जय भोले

घटती-घटना

कार्तिकेय कुमार
गांधीनगर,इंदौर
मध्यप्रदेश



मेरे भी भोले तेरे भी भोले,
आओ मिलकर बोलें भोले,
सब रंगों के रस हम घोलें,
और दिलों के भेद भी खोलें।
मेरे भी भोले ....
समय भी कटता होले-होले,
पलक झपकती है बिन भोले,
नज़र रहे जब-जब ये भोले,
मन सावन कर जाते भोले।
मेरे भी भोले.....
सब कहते हैं मेरे भोले,
हर रंगों में मिल जाते हैं,
प्रेम की बातें जब-जब होतीं,
वो सब रस में घुल जाते हैं।
मेरे भी भोले ....
कुंभ प्रयाग में तन-मन डोले,
दुख जन-जन के सब हर ले,
अपने कर्मों की पंजी का,
लेन-देन बस करलें भोले।
मेरे भी भोले .....
अगल-बगल सबके हैं भोले ,
तम सभी के झर लें भोले,
जो मन संतुष्टि से भरले,
खुद उसके हो जाते भोले।
मेरे भी भोले ....

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

# बतौली एवं लुण्ड्रा में अंतिम चरण का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न,कुल 75.44 प्रतिशत वोटिंग

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम व तीसरे चरण का मतदान रविवार को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। कुल तीन चरण में चुनाव होना था। तीसरे चरण का मतदान लुण्ड्रा एवं बतौली विकासखंड में सम्पन्न हुआ। दोनों विकासखंड में 265 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिसमें पंच, सरपंच, जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य के लिए मतदान हुए। मतदान सुबह 7 से दोपहर तीन बजे तक कुल 75.44 प्रतिशत मतदान हुआ।

त्रिस्तरीय पंचायात चुनाव तीन चरणों में होना था। पहले चरण में अंबिकापुर व लखनपुर विकासखंड में हुआ। दूसरे चरण में सीतापुर व मैनपाट विकासखंड में हुआ। इसके बाद रविवार को तीसरे व अंतिम चरण का मतदान लुण्ड्रा व बतौली विकासखंड में संपन्न हुआ। दोनों विकासखंड में सुबह 7 बजे से दोपहर तीन बजे तक कुल 75.44 प्रतिशत मतदान हुए। बतौली में 76.00 प्रतिशत व लुण्ड्रा में 75.44 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बतौली एवं लुण्ड्रा के संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जनपद पंचायत बतौली में जनपद पंचायत सदस्य के लिए 98 व जिला पंचायत सदस्य के लिए क्षेत्र क्रमांक 10 से 6 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। वहीं जनपद पंचायत लुण्ड्रा में जनपद पंचायत सदस्य के लिए 105 अभ्यर्थी व जिला पंचायत सदस्य के 2 पदों के लिए क्षेत्र क्रमांक 8 से 4 व 9 से 12 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में थे। इसके अलावा पंच व सरपंच पद के प्रत्याशियों के भाग्य पर मतदाताओं ने मुहर लगा दिया है। मतदान के बाद अब मतों की गिनती की जा रही है। परिणाम आना शेष है। बतौली विकासखंड में 19525 पुरुष, 21015 महिला कुल 40540 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसका 74.50 प्रतिशत मतदान रहा। वहीं लुण्ड्रा विकासखंड में 34690 पुरुष, 34640 महिला कुल 69330 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया जिसका 76.00 प्रतिशत मतदान रहा। वहीं दोनों विकासखंड में कुल 109870 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाई।

## 2.50 लाख के नशीले इनजेक्शन व कफ सिरप के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन व कफ सिरप के साथ गांधीनगर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त 200 नग प्रतिबंधित इंजेक्शन व 12 नग कफ सिरप का कीमत 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी भी जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस 22 फरवरी को पेट्रोलिंग पर निकली थी। बनारस रोड स्थित पीजी कॉलेज गेट के पास पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी। तभी अंबेडकर चौक की ओर से स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीजे 5421 से एक युवक बैग में कुछ सामन रखकर आ रहा था। जो पुलिस को देखकर पीजी कॉलेज ग्राउंड की ओर भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे पीछा कर पकड़ा और उसके बैग की तलाशी ली तो 200 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन व 12 नग कफ सिरप पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले पदार्थों की कीमत 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने प्रिंस गुप्ता उर्फ अशोक साहू उर्फ बोधु पिता सहदेव गुप्ता उम्र 27 वर्ष निवासी चांदनी चौक को हिरासत में लेकर नशीले इंजेक्शन के बारे में पछताछ की तो वह अपने साथी चेतन अग्रवाल के साथ मिलकर बनारस यूपी से लाना बताया। वह नशीले पदार्थों को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। प्रिंस गुप्ता के निशानदेही पर पुलिस ने चेतन अग्रवाल पिता महावीर अग्रवाल उम्र 32 वर्ष निवासी घुटरापारा चांदनी चौक थाना कोतवाली को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कर्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक रेशमलाल साहू, आरक्षक बृजेश राय, जितेंद्र मिश्रा, अतुल सिंह, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

## कब्जा करने से मना किया तो इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रचार्य से गाली गलौज,8 पर रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगमा स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा था। कॉलेज के प्राचार्य व अन्य शिक्षकों द्वारा अतिक्रमण करने से मना करने पर लोगों ने गाली गलौज व जाने से मारने की धमकी देने लगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने 8 लोगों के खिलाफ गांधीनगर थाना में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज डिगमा में संचालित है। इसके लिए शासन द्वारा 41.603 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। 15 व 19 फरवरी को स्थानीय लोगों द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए आवंटित भूमि पर कब्जा किया जा रहा था। यह देखकर कॉलेज के प्राचार्य व अन्य शिक्षकों ने अतिक्रमण करने से रोकने लगे। इस दौरान अतिक्रमण कर रहे लोगों ने प्राचार्य व शिक्षकों के साथ गाली गलौज करते हुए जाने से मारने की धमकी देने लगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने रिंकू मंडल, दीवाकर पटेल, सुजीत मंडल, सुख मंडल, सुख मंडल की पत्नी,सुख विश्वास,देवाशीष मंडल,रंजन घरामी,राजा घरामी एवं सनातन घरामी के खिलाफ गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 191(2),296 व 351 (3) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

## बाल संप्रेक्षण गृह से तीन अपचारी बालक दीवार फांदकर हुए फरार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर बाल संप्रेक्षण गृह से शनिवार की देर रात सुरक्षा गार्ड को चकमा देकर तीन नाबालिग बालक फरार हो गए हैं। बाल संप्रेक्षण प्रबंधन को इसकी जानकारी सुबह लगी। दीनों बच्चे बाल संप्रेक्षण गृह के दीवार फांदकर फरार हो गए हैं। प्रबंधन ने इसकी जानकारी गांधीनगर थाने को दी है। पुलिस बच्चों की खोजबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार अंबिकापुर स्थित गंगापुर में बाल संप्रेक्षण गृह संचालित है। शनिवार रात दीवार फांदकर 3 अपचारी बालक भाग निकले। इसकी जानकारी बाल संप्रेक्षण गृह के अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह लगी। बाल संप्रेक्षण गृह प्रबंधन ने मामले की जानकारी गांधीनगर थाने को दी। पुलिस अपचारी बालकों की तलाश बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत कई जगहों पर की पर कहीं पता नहीं चला है। जो अपचारी बालक फरार हुए हैं, उनमें से दो सूरजपुर जिले और एक सरगुजा जिले का है। उनके खिलाफ क्या अपराध दर्ज थे, इसकी जानकारी पुलिस नहीं दे सकी है।

## स्वच्छ जल-स्वच्छ मन अंतर्गत की गई शंकरघाट जलाशय की सफाई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत 'स्वच्छ जल-स्वच्छ मन' का शुभारंभ किया गया। शंकरघाट स्थित बांक-तट पर संत निरंकारी सेवादल के सदस्यों एवं साध-संगत के स्वयंसेवकों ने उपस्थित होकर घाट परिसर के पास सफाई की। प्रोजेक्ट अमृत का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण एवं इसके बचाव हेतु अपनाई जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाना एवं उन्हें क्रियान्वित रूप देना है। साथ ही परियोजना का मुख्य बिंदु जल निकायों की स्वच्छता एवं स्थानीय जनता के बीच जागरुकता अभियान के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करना है।

संस्था के अमरलाल बचानी ने बताया कि आज यह परियोजना भारतवर्ष के 11 सौ से अधिक स्थानों पर 730 शहरों, 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशाल रूप से एक साथ आयोजित की गई। निरंकारी मिशन के लगभग 2 लाख 50 हजार स्वयंसेवकों द्वारा पूरे देश में जल संरक्षण एवं जल निकायों जैसे-समुद्र तट, नदियां, झीलें, तालाब, पोखर, कुएं, जोहड़, विभिन्न झरनों पानी की टंकियों, नालियों और जल धाराओं आदि को स्वच्छ व निर्मल बनाने में अपना योगदान दिया गया। इस दौरान संजय मनवानी, ब्रम्हानंद बचानी,मयंक मनवानी, कोमल मनवानी,शैफाली बचानी, दिनानाथ सोनी, मुरली खिलवानी,मनोज महतो,अशोक विश्वकर्मा, सोनू कृपलानी, अनिल खिलवानी उपस्थित थे।

## सरगुजा मैनपाट के किसान की बेटी प्रीति का चयन हुआ ट्रेडिशनल नेटबाल छत्तीसगढ़ जुनियर बालिका टीम में,किराए में रहकर करती है खेल का अभ्यास

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला नेटबाल संघ उत्कृष्ट कार्य करते हुए सरगुजा जिला का मान बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ जुनियर छत्तीसगढ़ बालिका टीम में सरगुजा से कु. प्रिती मिंज का चयन किया गया है, चयनित छत्तीसगढ़ बालिका ट्रेडिशनल नेटबाल की टीम 37वीं राष्ट्रीय जुनियर नेटबाल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता भिवानी, हरियाणा में 23 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजन में भाग ले रही है।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिला में नेटबाल खेल का एक अच्छा भविष्य दिख रहा है, और सरगुजा जिला में नेटबाल खेल का प्रचलन बड़ रहा। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि कु. प्रिती मिंज पिता पंखरासीयुस मिंज ग्राम समनिया, मैनपाट के किसान की बेटी है। जो अम्बिकापुर में किराये का मकान लेकर रहते हुए गांधी स्टेडियम अम्बिकापुर में खेल अभ्यास करती है। सरगुजा जिला नेटबाल संघ के सचिव रजत सिंह बताया कि गांव से शहर में रहकर पढंने वाले बालक - बालिकाओं को पढाई के साथ खेल में भी अपनी रोचकता रखनी चाहिए

## कीटनाशक सेवन कर वृद्ध ने दी जान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

एक वृद्ध अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर लिया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार प्रसाद सिंह उम्र 60 वर्ष बलरामपुर जिले के चलगली थाना क्षेत्र के ग्राम धनवार कला का रहने वाला था। वह 21 फरवारी की शाम को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

## लापता महिला व पुत्र अंबिकापुर से बरामद

- संवाददाता -
बलरामपुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंर्तगत नगर पंचायत के बरहापतरा से महिला व पुत्र लापता हुए थे। पुलिस ने 51 दिन बाद महिला व पुत्र को अंबिकापुर से बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया।

थाना प्रभारी कुमार चंदन सिंह ने बताया कि नगर पंचायत के बरहापतरा से 3 जनवरी को अपने घर से विवाद कर सुशांति नगेसिया अपने पुत्र के साथ लापता हो गई थीं। परिजनों ने गुमशुदगी की दर्ज कराई थी। पुलिस ने 51 दिन बाद महिला व पुत्र को अंबिकापुर से बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया।

## शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का भव्य शुभारंभ 24 फरवरी को संध्या 6 बजे से

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सात दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का आयोजन किया गया है। मेले का भव्य उद्घाटन समारोह 24 फरवरी को संध्या 6:00 बजे से मुख्य अतिथि माननीय सांसद चिंतामणि महाराज जी, नवनिर्वाचित महापौर मंजूषा भगत, पार्षद आलोक दुबे,पार्षद करता राम,गुप्ता अनिल सिंह मेजर, सरगुजा संभाग की सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी एवं अन्य गण मान्य नागरिकों के द्वारा सुनिश्चित किया गया है। यह मेला 24 फरवरी से 2 मार्च तक प्रतिदिन प्रात 8:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक भक्तों के अवलोकनार्थ रहेगी।

मेले का मुख्य आकर्षण 15 फीट ऊंचा विशाल शिवलिंग, स्वर्ग दर्शन, अमरनाथ का गुफा, द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन,कलात्मक मूर्तियां द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान की स्पष्टता,सफल एवं सुखद जीवन हेतु आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं वीडियो लेजर शो द्वारा आत्म एवं परमात्मा योग अनुभूति कक्ष, नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का स्टॉल लगाया गया है ।इसके अतिरिक्त भिन्न-भिन्न प्रकार के मॉडल मेले के मुख्य आकर्षण का केंद्र है इसमें भी मुख्य आकर्षण केदारनाथ का प्रतिरूप भव्य मंदिर है।

सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को भगवान शिव के अवतरण, दिव्य कर्तव्य का रहस्य स्पष्ट करना एवं एक मूल्य निष्ठ समाज के लिए लोगों को खुशहाल एवं आपसी समरसता से जीवन जीने की प्रेरणा देना है । उन्होंने सभी नगरवासियों को मेले का अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया है।

# पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया,राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया इस्लामी चरमपंथियों का हमला

**पेरिस,23 फरवरी 2025।** फ्रांस में शनिवार को चाकू से हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। देश की आतंकवाद रोधी एजेंसी मामले की जांच कर रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस हमले को इस्लामी चरमपंथ / आतंकवाद बताया है। जर्मनी की सीमा के पास मुलहाउस में हुई इस वारदात में पुर्तगाल के नागरिक की मौत हुई है। सात पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। पार्किंग एजेंट को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिसका अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

### अल्जीरिया का नागरिक है हमलावर, मानसिक रोग से पीड़ित

हिरासत में लिए गए चार हमलावरों में एक संदिग्ध की पहचान 37 साल के अल्जीरियाई नागरिक- ब्राहिम ए के रूप में हुई है। मानसिक रोग- सिजोफ्रेनिया से पीड़ित इस शख्स को फ्रांसिसी गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो ने इस्लामी चरमपंथी बताया है। पूरे घटनाक्रम पर अभियोजन पक्ष ने बताया है कि संदिग्ध हमलावर के अलावा उसके परिवार के दो सदस्यों और उसे शरण देने वाले व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है । हमलावर के पास से चाकू के अलावा एक स्क्रू ड्राइवर भी बरामद किया गया है।

### मैक्रों ने बताया आतंकवादी कृत्य

इस वारदात को लेकर आई शुरुआती रिपोर्ट्स अभियोजन पक्ष से जारी बयान के मुताबिक एक व्यक्ति ने शनिवार दोपहर मुलहाउस शहर में स्थानीय पुलिस अधिकारियों पर धार्मिक नारेबाजी करते हुए हमला कर दिया था। एक राहगीर ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन उसकी भी मौत हो गई। मैक्रों ने वार्षिक फ्रेंच फार्म शो के दौरान इस वारदात के संबंध में कहा, यह नि:संदेह इस्लामी आतंकवाद का कृत्य है।

### 11 साल पहले फ्रांस आया संदिग्ध ब्राहिम , हमास के हमले पर आतंकवाद का महिमंडन किया

अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक हमलावर ब्राहिम 2014 में फ्रांस पहुंचा था। अक्तूबर, 2023 में इसे इस्राइल और हमास के हिंसक संघर्ष के आधार पर आतंकवाद का महिमामंडन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

# स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराएं,अमेरिकी अरबपति से बांग्लादेशी सरकार की अपील

**ढाका,23 फरवरी 2025।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अरबपति अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क को बांग्लादेश आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने देश में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए अमेरिका के शीर्ष व्यवसायी और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मस्क को पत्र लिखा। 19 फरवरी को लिखे पत्र में यूनुस ने मस्क से कहा, उनकी बांग्लादेश यात्रा से उन्हें युवा बांग्लादेशी पुरुषों और महिलाओं से मिलने का मौका मिलेगा, जो इस अग्रणी तकनीक के मुख्य लाभार्थियों में से होंगे।

### स्टारलिंक की कनेक्टिविटी से परिवर्तनकारी असर

उन्होंने बेहतर भविष्य के लिए अपने आपसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मस्क से मिलकर काम करने का आह्वान किया। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने रविवार को बताया, बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे में स्टारलिंक की कनेक्टिविटी से परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। इससे बांग्लादेश के उद्यमी युवाओं, ग्रामीण और कमजोर महिलाओं और दूरदराज और वंचित समुदायों को विशेष लाभ मिलेगा।

# श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

**कोलंबो,23फरवरी 2025।** श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में रविवार को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं जब्त कर लीं। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।

बयान में कहा गया कि मछली पकड़ने वाली पांच भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा।

इस साल अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया बयान के मुताबिक, नौसेना ने इस साल अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है।

### भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा

मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को केंद्र से इस मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए तत्काल संयुक्त कार्य समूह गठित करने का आग्रह किया। सीएम ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर हाल ही में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 32 भारतीय मछुआरों और पांच नौकाओं को हिरासत में लिए जाने की घटना की जानकारी दी।

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, मैं यह पत्र गहरी पीड़ा के साथ लिख रहा हूं, क्योंकि हाल के दिनों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़े जाने की घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है। नवीनतम घटना में 23 फरवरी को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 32 मछुआरों को उनकी पांच मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ पकड़ा गया है। ये मछुआरे 22 फरवरी को रामेश्वरम बंदरगाह से निकले थे। इसलिए मैं एक बार फिर इस लंबे समय से लंबित मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए संयुक्त कार्य समूह को तुरंत बुलाने के अपने पिछले अनुरोध को दोहराता हूं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन आशंकाओं के कारण हमारे मछुआरों के परिवारों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र

# आप और भाजपा ने विधायक दल की बैठक करके तय की रणनीति,हंगामे की पूरी संभावना

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025।** विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है और इसके हंगामेदार होने की पूरी संभावना है। भले ही यह सत्र केवल तीन दिन का हो, लेकिन जिस प्रकार से कार्यवाही की सूची सामने आई है और दिल्ली सरकार में सत्तारूढ़ भाजपा व विपक्षी आम आदमी पार्टी ने अपनी रणनीति तैयार की है, उससे यह साफ है कि विधानसभा में तीखी नोकझोंक होगी। दोनों पार्टियों ने सत्र के मद्देनजर अपनी रणनीति तय करने के लिए रविवार को अपने-अपने विधायक दल की बैठक की। सत्र 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर कार्यवाही स्थगित रहेगी।

सत्र के पहले दिन 24 फरवरी को विधानसभा के सदस्य शपथ लेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी भी शामिल होंगे। उनको प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। इसके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता को स्पीकर पद के लिए चुना जाएगा। बताया जा रहा है कि विपक्षी आम आदमी पार्टी ने अपने किसी विधायक का नाम स्पीकर पद के लिए प्रस्तावित नहीं किया है, जिससे यह तय है कि विजेंद्र गुप्ता निर्विरोध स्पीकर चुन लिए जाएंगे। इसी तरह पहले दिन उपाध्यक्ष पद का भी चुनाव होगा। इस पद के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ विधायक मोहन सिंह बिष्ट का नाम तय किया है।

### 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण और हंगामा तय

25 फरवरी को सत्र का दूसरा दिन होगा और इस दिन सदन में कई महत्वपूर्ण घटनाएं होने की संभावना है। सबसे पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पहली बार विधानसभा को संबोधित करेंगे। उपराज्यपाल का अभिभाषण आम तौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों पर आधारित होता है, लेकिन इसमें पिछली आप सरकार के कामकाज पर टिप्पणियां भी हो सकती हैं। ऐसे में इस अभिभाषण को लेकर विपक्षी पार्टी आप की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है। दरअसल आप विधायकों के चुप रहने की संभावना कम है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सत्ता परिवर्तन होने के बाद से भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही है।

सीएजी रिपोर्ट्स बन सकती है आप के लिए परेशानी का कारण

25 फरवरी को ही विधानसभा में कैग की 14 पेंडिंग रिपोर्ट्स भी रखी जाएंगी। इनमें से कई रिपोर्ट्स 2016 से पेंडिंग हैं और इनमें दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण मसले हैं। विशेष रूप से इन रिपोर्ट्स में दिल्ली के आबकारी विभाग से जुड़े तथ्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें शराब घोटाले के आरोपों की संभावना है। इसके अलावा,डीटीसी, मोहल्ला क्लीनिक,स्वास्थ्य विभाग और पब्लिक अंडरटेकिंग्स से जुड़ी रिपोर्ट्स भी पेंडिंग हैं,जिनमें पिछली सरकार के कार्यों की जांच की गई है। कैग की इन रिपोर्ट्स के सामने आने से आम आदमी पार्टी के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने हाई कोर्ट तक याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि आप सरकार इन रिपोर्ट्स को तुरंत विधानसभा में प्रस्तुत करे। हालांकि,विधानसभा चुनाव की घोषणा के कारण यह मामला लंबित रहा। अब, जब विजेंद्र गुप्ता विधानसभा अध्यक्ष बनेंगे,तो उन्हीं की अध्यक्षता में ये रिपोर्ट्स विधानसभा में रखी जाएंगी।

आप व भाजपा के बीच सत्र में गर्मा गरमी

भाजपा व आप के बीच यह सत्र एक अहम राजनीतिक टकराव का गवाह बनने की संभावना है। एक ओर जहां भाजपा की ओर से आप सरकार की नीतियों और कार्यों का हिसाब-किताब रखने में व्यस्त रहेगी, वहीं आप इन रिपोर्ट्स को लेकर भाजपा पर आरोप भी लगा सकती है। इसके अलावा आप भाजपा की ओर से चुनाव में किए वादों को पूरा करने की शुरूआत नहीं करने का भी मुद्दा उठाएगी। लिहाजा तीन दिन के सत्र में दोनों दलों के बीच राजनीतिक गहमा-गहमी से लेकर आरोप-प्रत्यारोप तक हर मुद्दा छाया रहेगा।

# उत्तरी पेरू में बड़ा हादसा,शॉपिंग मॉल में छत गिरने से छह लोगों की मौत,78 घायल

**लीमा,23 फरवरी 2025।** पेरू में बड़ा हादसा हुआ है। पश्चिमोत्तर पेरू में एक शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट की छत गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में कम से कम 78 अन्य लोग घायल हो गए। देश के रक्षा मंत्री ने यह जानकारी दी। मॉल में बने 'फूड कोर्ट' में कई रेस्त्रां और भोजनालय थे। यहां हमेशा काफी चहल पहल होती है। हादसे के वक्त भी यहां भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

ला लिबर्टाड क्षेत्र के ट्रूजिलो शहर में स्थित 'रियल प्लाजा ट्रूजिलो' शॉपिंग मॉल में लोहे से बनी भारी छत शुक्रवार रात वहां मौजूद लोगों पर गिर गई। रक्षा मंत्री वाल्टर एस्टुडिलो ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि 'ला लिबर्टाड' में स्थानीय अग्निशमन कर्मियों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इमारत ढहने के बाद पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

एस्टुडिलो ने बताया कि 30 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है और 48 अब भी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। मंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। स्थानीय अग्निशमन विभाग के प्रमुख लुइस रोन्कल ने बताया कि बचाव एवं राहत कार्य जारी है। इस बीच, 'ट्रूजिलो' के मेयर मारियो रेयना ने आसन्न जोखिम के कारण मॉल को बंद करने की घोषणा की।

# कुंवरपुर बांध में मछली पकड़ने के दौरान 45 वर्षीय व्यक्ति की पानी में डूबने से हुई मौत,जांच में जुटी लखनपुर पुलिस

**- संवाददाता -**
**लखनपुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।**

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर बांध में मछली मारने के दौरान पानी में डूबने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। 23 फरवरी दिन रविवार को लखनपुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आनंद बरवा पिता बलदेव बरवा उम्र 45 वर्ष ग्राम कटिंदा गोरेया घुटरापारा थाना लखनपुर निवासी जो प्रतिदिन की भांति 4 बजे भोर में कुंवरपुर बांध में मछली फसाने के लिए जाल लगता था। 23 फरवरी को सुबह 4 बजे भोर में घर से बांध में मछली फसाने के लिए जाल डाला था। जिसे निकालने 4 बजे भोर में गया हुआ था। सुबह 8 बजे तक वह घर वापस नहीं लौटा इसके बाद उसका लड़का चंद्र बरवा और सोनू बरवा बांध की तरफ देखने गए। बांध के किनारे टायर का ट्यूब पड़ा मिला इसके बाद बांध में डाले गए जाल को खींचकर बाहर खींचने पर आनंद बरवा का पैर जाल में फंसा हुआ था और पानी में आनंद भरवा डूबा था। बांध से आनंद बरवा को बाहर निकाल कर घर ले जाया गया। और उसकी सेकाई किया जा रहा था।तब तक आनंद बरवा की मौत हो चुकी थी।घटना की सूचना किशन बरवा द्वारा लखनपुर पुलिस को दी गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया तथा मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला मछली मारने के दौरान पैर में जाल फंसने से पानी में डूबने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# द्वितीय चरण में हुए जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन परिणाम घोषित

### » रिटर्निंग ऑफिसर ने नवनिर्वाचित सदस्यों को विजयी प्रमाण पत्र प्रदाय किया

**- संवाददाता -**
**अम्बिकापुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।**

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के अंतर्गत द्वितीय चरण में हुए जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन मतों के गणना की परिणाम घोषणा कर दी गई है। रिटर्निंग ऑफिसर पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित सदस्यों को विजयी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

### द्वितीय चरण में 11 से 14 तक हुए निर्वाचन में

जिसमें जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 11 से 05 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में थे। जिसमें श्रीमती बालमदिना निराला को कुल 6604 मत, श्रीमती कौशल्या नागवंशी को 3262 मत, श्रीमती लीला खलखो को 1150 मत, श्रीमती पियासो लकड़ा को 8675 मत, श्रीमती शकुन्तला बिन्धेश्वरी पैकरा को 6333 मत प्राप्त हुए।

क्षेत्र क्रमांक 12 से 06 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे थे जिसमें श्री अनिल निराला उरांव को 6004 मत, श्री बिगन तिग्गा को 5791 मत, श्री धनेश्वर को 5661 मत, श्री हरि कुमार एक्का को 635 मत, श्री रेवती शंकर नागवंशी को 2513 मत,श्री शिव भरोस बेक सर 6029 मत प्राप्त हुए, क्षेत्र क्रमांक 13 से 08 चुनाव लड़ रहे थे, जिसमें अर्जुन राम को 3127 मत, श्री भगत सिंह पैकरा को 4695 मत, श्री भिनसरीहा खोखसा को 2327 मत श्री देव चंद एक्का को 1375 मत, इंजी. निर्मल कुजूर को 5140 मत, श्री रमेशंकर को 1706 मत, श्री रंजीत तिग्गा को 381 मत, श्री सेत राम बडा को 3063 मत प्राप्त हुए। क्षेत्र क्रमांक 14 से 04 अभ्यर्थी चुनाव में लड़ रहे हैं। श्रीमती बसन्ती महन्त को 4757 मत, श्रीमती बिहारो भैंसा रविनाथ को 1139 मत, श्रीमती लहाती पैकरा को 2139 मत, श्रीमती रतनी नाग को 9478 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के क्षेत्र क्रमांक 11 से श्रीमती पियासो लकड़ा 2071 मत, क्षेत्र क्रमांक 12 से श्री शिव भरोस बेक सर 25 मत, क्षेत्र क्रमांक 13 से इंजी. निर्मल कुजुर 445 मत एवं क्षेत्र क्रमांक 14 से श्रीमती रतनी नाग 4721 मतों से विजय प्राप्त किए हैं।

CMYK

# मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में किया मतदान

## मुख्यमंत्री सहित उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने भी किया वोट

-संवाददाता-
जशपुरनगर,23 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने विकासखंड कांसाबेल के शासकीय प्राथमिक शाला बगिया में स्थित मतदान केंद्र क्रमांक-45 में मतदान किया। मुख्यमंत्री ने कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और मतदान अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए अपना वोट डाला।

मुख्यमंत्री के साथ उनकी माताजी श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, भाई श्री विनोद साय सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी मतदान किया। मतदान के उपरांत मुख्यमंत्री ने परिवार सहित सेल्फी जोन में जाकर इस पल को कैमरे में कैद किया।

## निर्वाचन कार्य में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित शिक्षक आनन्द साय पैंकरा निलबित

कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोहित व्यास ने निर्वाचन कार्यालय में लापरवाही बरतने के कारण श्री आनंद साय पैंकरा को किया निलंबित रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) फरसाबहार के द्वारा शिक्षक टी. वर्ग (एल.बी.) श्री आनन्द साय पैकरा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा को त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2024-25 के सुचारू संचालन हेतु मतदान अधिकारी क्रमांक 01 के रूप में अंबा कछार खण्ड फरसाबहार के मतदान केन्द्र क्रमांक 34 में ड्यूटी लगाई थी। 22 फरवरी को मतदान दल के द्वारा मतदान केन्द्रों में पहुंचने के पश्चात् रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) फरसाबहार के द्वारा मतदान केन्द्र में औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें श्री आनन्द साय पैंकरा कार्य मे अनुपस्थित पाए गये। जिसका पंचनामा तैयार किया गया पीठासीन अधिकारी एवं उपस्थित अन्य मतदान कर्मियों के द्वारा भी आनन्द साय पैंकरा के द्वारा मतदान केन्द्र में आते ही शराब सेवन कर कहीं चले जाने एवं मतदान केंद्र में मतदान के पूर्व की तैयारी में सहयोग ना करते हुए, कहीं घूमने के संबंध में जानकारी दी गई। आनन्द साय पैंकरा के उक्त कृत्य को अपनी पदीय कर्तव्य का निर्वहन निष्ठापूर्वक नहीं करते हुए निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में अनाधिकृत अनुपस्थित पाया गया। अपने पदीय कर्तव्य के विरुद्ध घोर लापरवाही, उदासीनता एवं कदाचार की श्रेणी में मानते हुए छ0ग0 सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3, नियम-7, नियम-23 एवं छ0ग0 सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 की नियम-9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा, जिला जशपुर में नियत किया गया है।

## लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी जागरूक मतदाता निभा रहे अपना कर्तव्य

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के तहत तीसरे चरण का मतदान आज कांसाबेल, पत्थलगांव, फरसाबहार में है। केन्द्र में बुजुर्ग, युवा, महिलाएं, पुरुष, दिव्यांग मतदाता बड़ी संख्या में मतदान केंद्र में पहुंच रहे हैं। लोगों में मतदान के प्रति उत्साह दिखाई दे रहा है। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी लोग अपना कर्तव्य निभा रहे हैं।

# मुख्यमंत्री स्व.दिलीप सिंह जूदेव स्मृति में अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

## 8 फरवरी से 23 फरवरी तक प्रतियोगिता आयोजित की गई...प्रतियोगिता ने एक बार फिर शहर के रणजीता स्टेडियम में फुटबॉल प्रेमियों का दिल जीत लिया





-संवाददाता-
जशपुरनगर,23 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज जशपुर के रणजीत स्टेडियम में स्व.दिलीप सिंह जूदेव स्मृति में अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के खिलाड़ीयों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों को ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने पर 3 करोड़,रजत पदक जितने पर 2 करोड़ और कांस्य पदक जितने पर 1 करोड़ का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने रणजीता स्टेडियम के जीर्णोद्धार करवाने की घोषणा की।

देश भर के 16 राज्यों से फूटबाल प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता की शुरूआत 8 फरवरी से 23 फरवरी 2025 से किया गया।

इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय,नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत,नव निर्वाचित पार्षद श्री यश प्रताप सिंह जुदेव, शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, शान्ति भगत, पार्षद फैजान सरवर, ओम प्रकाश , नरेश नंदे और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, खिलाड़ी, कोंच और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



**मुख्यमंत्री ने रणजीता स्टेडियम के जीर्णोद्धार की घोषणा की**

प्रतियोगिता में देश भर के 16 राज्यों की राष्ट्रीय स्तरीय फुटबॉल टीमें भाग लिए थे। टीमों में डाउन-टाउन जम्मू कश्मीर, कालीघाट फुटबॉल क्लब पश्चिम बंगाल,शैल फुटबॉल अकादमी बोकारो झारखंड, वाईडीसी मणिपुर, वाईएमएफसी बक्सर बिहार, एमएफजी बैंगलोर कर्नाटक, सेंचुरी सीमेंट मुंबई,महाराष्ट्र,आर्मी आटलरी सेंटर हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, एफसी अवध उत्तरखंड, राउरकेला रेड ओडिशा, मल्लपुरम एफसी, केरल, लुक्का एफसी केरला और जशपुर की टीम शामिल हैं। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह प्रतियोगिता एक शानदार आयोजन साबित हो रहा,जो देशभर से आए फुटबॉल खिलाड़ियों और दर्शकों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री ने रेलवे नागपुर और एमईजी बैंगलूरू के बीच फायनल मैच का आनंद लिया और सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी प्रतियोगिता में पहले सेमीफायनल में मां कामाख्या स्पोर्ट्स क्लब बक्सर को हरा कर फायनल में पहुंची मद्रास इंजीनियरिंग ग्रूप, एमईजी बैंगलूरू और शुक्रवार को दूसरे सेमीफायनल में सी-लैंड केरला को 4-1 से हराने वाली साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे नागपुर के बीच 23 फरवरी रविवार फायनल मैच खेला गया। पांच साल के लंबे अंतराल के बाद रणजीता स्टेडियम में एक बार फिर राष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियो को खेलते हुए देख कर रोमांचित होने का अवसर शहरवासियों को मिला। इस फुटबाल मैच को देखने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से खेल प्रेमियों ने खेल का आनंद लिया।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जशपुर में किया गया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जशपुर पुलिस लाइन हेलीपैड ग्राउंड में किया गया आत्मीय स्वागत । इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय नगर पालिका के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत ,नव निर्वाचित पार्षद श्री यश प्रताप सिंह जुदेव, शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, फैजान सरवर , श्रीमती शान्ति भगत , कृष्णा राय और बड़ी संख्या में नव निर्वाचित पार्षद जनप्रतिनिधिगण और आम नागरिक उपस्थित थे।

## मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सोगड़ा आश्रम में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज प्रसिद्ध अघोर संत भगवान अवधूत राम सोगड़ा आश्रम में मां काली की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती राय मुनि भगत पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत नव निर्वाचित पार्षद और जनप्रतिनिधिगण में श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, शौर्य प्रताप सिंह जूदेव,श्रीमती शान्ति भगत कृष्ण राय, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

# क्या कोरिया जिले में चुनाव आयोग था ही नहीं...कर्मचारी के प्रचार पर नहीं हुई कार्यवाही और ना ही पैसा पकड़ने पर कर पाया कोई कार्रवाई ?

**विपक्षी नेता के सत्ता पक्ष के नेता बने ढाल,जमके प्रत्याशी पति ने किया उत्पात,मूक दर्शक बना रहा जिला निर्वाचन,शातिपूर्ण मतदान करने में भी जिला निर्वाचन रहा असफल,क्षेत्र क्रमांक 4 में हुई मारपीट**

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/सूरजपुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अंतिम चरण 23 फरवरी को संपन्न हो गया, पर कोरिया जिले में यह चुनाव काफी विवादस्पद रहा, जिला निर्वाचन आयोग भी कहीं न कहीं निष्पक्ष चुनाव कराने में आसफल माना जा रहा है, ऐसा लग रहा था कि सत्ता पक्ष के इशारे पर जिला निर्वाचन काम कर रहा हो, यह आरोप भी चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का है और देखने को भी कुछ ऐसा ही मिला,खुलेआम जनपद प्रत्याशी के शिक्षक पति प्रचार करते रहे, प्रचार के दौरान पैसे भी पकड़ने की खबर आई सारे शिकायतों के बाद भी जिला प्रशासन कार्यवाही करने का हिम्मत नहीं जुटा पाया, ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर विपक्षी नेता के लिए सत्ता पक्ष में कौन सा ऐसा नेता था जो उसे हर कार्यवाही से बचा रहा था, लोगों का कहना है कि वह नेता पूरी तरीके से ढाल बनकर खड़ा था, ऐसा किसी समझौते के तहत हो रहा था यह तो अंदर खाने की बात है? पर सभी को यह दिखा की सत्ता पक्ष के नेता अपने समर्थित प्रत्याशी को छोड़कर विपक्षी पार्टी के नेता का सहयोग करते दिखे, जबकि उनके खुद की पार्टी के लोग इसे किनारा कर चुके हैं और यह अलग थलग अलग हैं पर इसके बावजूद उसे प्रत्याशी के ऊपर सत्ता पक्ष की मेहरबानी समझ के परे है? जब सत्ता पक्ष को उस प्रत्याशी पर मेहरबान होना ही था तो अपने ही पार्टी का समर्थित प्रत्याशी क्यों नहीं बना लिया गया?

## हाई कई प्रोफाइल सीट पर नहीं था किसी का अंकुश ?

जिला व जनपद के हाई प्रोफाइल सीटों को लेकर जिला निर्वाचन गंभीर नहीं दिखा जिस वजह से यहां पर आचार संहिता का कई जगह उल्लंघन होते देखा गया, ऐसा लग रहा था कि आचार संहिता का उल्लंघन नहीं उसके धज्जियां उड़ाई जा रही है, तरह-तरह से प्रलोभन तो हो ही रहे थे, तमाम तरीके से पैसे से दारू मुर्गा सब बटा जा रहा था, जानकर भी अनजान निर्वाचन विभाग आंखें मूंदे बैठा था, ऐसा लग रहा था यह लोकतंत्र को मजबूत करने वाला चुनाव नहीं लोकतंत्र को कमजोर करने वाला चुनाव था? शासकीय कर्मचारी तो अपना निर्वाचन से ड्यूटी कटवाकर चुनाव प्रचार कर रहे थे ऐसा लग रहा था कि उनका चुनाव ड्यूटी से छुट्टी ही चुनाव प्रचार के लिए दी गई थी? अब जिला व जनपद का परिणाम सही तरीके से आप आता है या नहीं या फिर इसमें भी धांधली होती है यह भी अब चुनावी परिणाम आने के बाद ही पता चलेंगे।

## जमकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चल दारु मुर्गा पर एक भी कार्रवाई नहीं

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अंतिम चरण लोभ प्रलोभन के बीच संपन्न हुआ जमकर मुर्गा दारू के साथ पैसे के लिफाफा बेट गए, पटना थाने से एक भी कार्यवाही होने की खबर क्यों नहीं आई? ऐसा लग रहा था कि जिला निर्वाचन पूरी तरीके से आंख मूंद लिया था? क्या बैलेटपेपर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी नहीं जीत सकते थे इस वजह से प्रशासन को ही जितवाने में लगा दिया गया? और जितने षड्यंत्र कर सकते थे करने की अनुमति दे दी गई? ऐसा दूसरे व तीसरे चरण से ही देखने को मिला। ऐसी खबरें कई जिले से आई सूरजपुर जिला तो इस मामले को लेकर काफी हाइलाइट रहा। बैलेटपेपर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी का हार रहे थे क्या यही कारण था की वैलेटपेपर से भाजपा से प्रत्याशी को जितना ही एवं के सवाल को खत्म करने का प्रयास था?

## परिणाम निष्पक्ष आएगा या फिर परिणाम में भी षड्यंत्र होगा ?

सूरजपुर जिले में निर्वाचन विभाग की लापरवाही तो खूब देखने को मिली शिकायतें भी खूब आई, पर कोई कुछ नहीं कर पाया प्रत्याशियों का आरोप था कि सारे अधिकारी न जाने किसके दबाव में थे की बार-बार उन्हें भाजपा प्रत्याशियों को जीतने के लिए फोन आ रहे थे, जिस वजह से जीते हुए प्रत्याशियों के साथ चीटिंग करके भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को जितना ही जिला निर्वाचन का कर्तव्य जैसा लगा? ऐसा सिर्फ जिला पंचायत चुनाव में ही देखा गया, आखिर ऐसा चुनाव करवाने या ना करवाना एक बराबर ही समझा जा रहा है ऐसे चुनाव प्रक्रिया से मजबूत लोकतंत्र की कल्पना कैसे होगी यह भी अब बड़ा सवाल है?

## क्या निर्वाचन सहित जिला प्रशासन सत्ता पक्ष के प्रत्याशियों को जितवाने के लिए कर रहा काम ?

जिस प्रकार से आरोप आ रहे थे और आरोप लगाए जा रहे थे उसे देखकर तो यही सवाल उत्पन्न हो रहा है कि क्या निर्वाचन विभाग निष्पक्ष चुनाव करने में असफल रहा? क्या सत्ता के दबाव में सत्ता समर्थित प्रत्याशी को जितवाना ही उनकी मजबूरी थी? अचार संहित का उल्लंघन को लेकर शिकायतें आती रही पर कार्यवाही एक भी नहीं हुई, प्रलोभन में दारू मुर्गा से लेकर लिफाफे बढ़ते रहे पर कार्रवाई एक भी नहीं हुई ऐसा लगा कि यह सब करने की अनुमति दे दी गई हो।

## कोरिया त्रिस्तरीय चुनाव के तृतीय व अंतिम चरण में 69 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान



-संवाददाता-
कोरिया,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत पंच,सरपंच, जनपद एवं जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव सभी 302 मतदान केंद्रों में हुआ। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हो गया था हालांकि सुबह 9 बजे तक मतदान धीमी रहा लेकिन 11 बजे बाद मतदान प्रतिशत में इजाफा देखने को मिली। सुबह 9 बजे जहाँ 13 प्रतिशत मतदान हुआ था वहीं 11 बजे 33 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद मतदान का प्रतिशत दोपहर 3 बजे 69.42 प्रतिशत हो गया। पुरुष मतदान की अपेक्षा महिला मतदान का प्रतिशत अभी तक की स्थिति में अधिक है। दोपहर तीन बजे तक महिला मतदान प्रतिशत 53.23 प्रतिशत रही जबकि पुरूष मतदान का 49.76 प्रतिशत है।

**तृतीय व आखिरी चरण का अनन्तिम प्रतिशत 69.42 प्रतिशत-** इस तरह त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत बैकुंठपुर जनपद क्षेत्र के 117 ग्राम पंचायत के 302 मतदान केंद्रों में मतदान का अनन्तिम प्रतिशत 69.42 रहा। हालांकि देर रात तक मतदान प्रतिशत बढ़ने की सम्भवना है, क्योंकि अभी भी कई मतदान केंद्रों में मतदाता कतार में लगे हुए हैं।

**महिला मतदाताओं की संख्या अधिक-**पुरुष मतदाओं की संख्या 72 हजार 365, महिला मतदाताओं की संख्या 73 हजार 504 है जबकि तृतीय लिंग मतदाता की संख्या महज 6 हैं।

**कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने मतदान की स्थिति व व्यवस्थाओं का लिया जायजा-** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, बैकुंठपुर जनपद के अंतर्गत बचरा पोड़ी, कलुआ, रनई, महोरा आदि मतदान केंद्रों का दौरा की बल्कि मतदान की स्थिति, व्यवस्था का जायजा ली।

**पंच, सरपंच, जनपद एवं जिला पंचायत सदस्यों के लिए हुए मतदान-**रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अमृता सिंह ने जानकारी दी कि 3 बजे तक अन्तिम आंकड़ा में बैकुंठपुर जनपद पंचायत क्षेत्र में 69.42 प्रतिशत मतदान हुआ है,वहीं कई मतदान केंद्रों में मतगणना प्रारंभ हो चुके हैं, देर रात तक अंतिम मतदान व मतगणना परिणाम मिलने की सम्भवना हैं।बैकुंठपुर जनपद पंचायत क्षेत्र में कुल 120 ग्राम पंचायत हैं,जहां 302 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। कुल पदों की संख्या 1749 है, जिसमें निर्वाचन हो रहा है, उसमें वार्ड पंच 1599, सरपंच पद 117, जनपद सदस्य 25 और जिला पंचायत सदस्यों की संख्या 8 है। अभ्यर्थियों की बात करें तो 982 वार्ड पंचों के लिए 2 हजार 383, सरपंच पदों के लिए 513, जनपद सदस्यों के लिए 162 तथा जिला पंचायत सदस्यों के लिए 52 उम्मीदवार चुनाव मैदान में खड़े हुए थे।

**मतदान अधिकार के साथ कर्तव्य भी-**ग्राम बड़गांव निवासी बुजुर्ग श्री रामे लाल ने बताया वे हर चुनाव में मतदान करने पहुंचते हैं। उन्होंने रोचक जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनको बहुत जोर से एक बार बुखार लगा था, उसके बावजूद मतदान करने गए थे, क्योंकि मतदान करना अधिकार है और कर्तव्य भी।

**लाठी के सहारे लोकतंत्र को मजबूत करने मतदान किया-**खरवत निवासी बुजुर्ग भगवान दास लाठी के सहारे मतदान करने पहुंचे, जो युवाओं के लिए प्रेरक रहे।

**शिशुवती माताओं ने ली मतदान में भाग-**मतदान केंद्रों में ऐसी की महिलाएं थीं तो अपने शिशुओं को गोद में लेकर मतदान करने पहुंची थीं। इन महिलाओं ने कहा पहले मतदान फिर आराम।

**पर्याप्त वाहन व पुलिस बल-**मतदान दलों के लिए पर्याप्त वाहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है साथ ही शांति पूर्वक मतदान व मतगणना के लिए पर्याप्त पुलिस बल की भी व्यवस्था की गई है।

# भकुरा गांव में मतदान बहिष्कार के बाद शुरू हुई वोटिंग

**ओड़गी ब्लॉक के भकुरा गांव स्थित दूधोपारा मतदान केंद्र 101 में ग्रामीण मतदान बहिष्कार कर रहे थे अधिकारी के समझाईस पर मतदान के लिए राजी हुए**

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तृतीय चरण में मतदान शांतिपूर्ण रूप से जारी है। जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह से ही वोटिंग प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन ओड़गी ब्लॉक के भकुरा गांव स्थित दूधोपारा मतदान केंद्र 101 में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया।। इसका पता चलने पर अधिकारी गांव पहुंचे और किसी तरह उन्हें मतदान के लिए राजी किया।

ग्रामीणों का कहना था कि गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी है। न सड़क, न बिजली, न पानी। प्रशासन की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने मतदान नहीं करने का निर्णय ले लिया था। उनका कहना था कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होगा,वे अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे। सूचना मिलते ही एआरओ व जनपद पंचायत सीईओ नृपेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे संतुष्ट नहीं हुए। इसके बाद एसडीएम सागर सिंह ने गांव की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। बाद में दोनों अधिकारियों के समझाने पर ग्रामीण मान गए। करीब डेढ़ घंटे की देरी से मतदान शुरू हुआ। भकुरा गांव वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिससे यहां विकास कार्यों में कई प्रकार की प्रशासनिक और कानूनी अड़चनें आती हैं। विकास कार्यों के लिए अनुमति लेने में लंबा समय लग जाता है, जिससे गांव में समस्याएं बरकरार हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से वे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, लेकिन हर चुनाव में उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया जाता है।हालांकि अधिकारियों द्वारा समस्याओं के ठोस समाधान का भरोसा दिए जाने के बाद गांव वालों ने शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया। मतदान केंद्र पर चुनाव प्रक्रिया अब सुचारू रूप से जारी है, जिससे प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

## पंचायत चुनाव का ग्रामीणों में उत्साह

**जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह है। ओड़गी और प्रतापपुर ब्लॉक में आज 23 फरवरी को मतदान जारी है, जहां 2335 पंच, 175 सरपंच, 42 जनपद सदस्य और 5 जिला पंचायत सदस्य चुने जायेंगे। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं,और लोग उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में जारी है और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।**

# क्या भाजपा समर्थित प्रत्याशी को बैलेटपेपर से नहीं जीता पा रही चुनाव तो प्रशासन से मिलकर कर रहे चीटिंग ?

**सूरजपुर जिले से आया दूसरा मामला जहां पर गणना पत्रक में दिखाएं कि जीते हुए प्रत्याशी को हराकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी को दिया जीत का प्रमाण-पत्र**

**सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ पर लगाए गए हैं गंभीर आरोप,संतोष जनक जवाब भी नहीं मिला,जिला पंचायत सीईओ ने इलेक्शन कमीशन पर पुरी बात डालकर हारे हुए प्रत्याशी को किया परेशान**

-शमरोज खान-
सूरजपुर,23 फरवरी 2025 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन संदेह के घेरे में लगातार आरोप पर आरोप लग रहे हैं इससे पहले जब प्रथम चरण का चुनाव हुआ था उसे समय भी कुछ ऐसा ही जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 8 के भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र देने के बाद निर्दलीय लड़ रहे प्रत्याशी ने बड़ा आरोप लगाते हुए षड्यंत्र पूर्वक हारने का आरोप लगाया था,और कहा था कि गणना पत्रक में उसे जीता बताया गया था पर प्रमाण पत्र जीत का भाजपा समर्थित प्रत्याशी को दिया गया, वहीं उसके बाद एक और ऐसी ही शिकायत सामने आई है जिसमें जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 की प्रत्याशी जिन्हें गणना के लिए बुलाया गया था और उन्हें जीत की बात कही गई थी,पर वहां पर भी अचानक उन्हें जब यह पता चला कि जिला सीईओ द्वारा भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जीत का प्रमाण-पत्र दे दिया गया, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई और वह आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर जिला निर्वाचन विभाग क्या निष्पक्ष तरीके से चुनाव कर पाने में सक्षम नहीं है? या फिर प्रत्याशियों को वह अपने कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं कर पा रहा है या फिर किसी के प्रभाव में आकर ऐसी चीज हो रही हैं? वैसे आरोप लगाने वाल शिकायतकर्ता का कहना है कि बार-बार जिला पंचायत सीईओ को फोन आ रहा था और वह दबाव में दिख रही थी उनके चेहरे का इंप्रेशन ही बता रहा था कि वह दबाव में काम कर रही हैं पर वही इन सब सारे आरोपों से जिला पंचायत सीईओ सूरजपुर एक सिरे से खारिज कर रहे हैं। पर सवाल यहां भी उठ रहा है कि यदि रिकाउंटिंग का प्रावधान है तो फिर यह रिकाउंटिंग क्यों नहीं पीठासीन अधिकारियों द्वारा करवाया गया, जब हर जगह से गणनक पत्रक एजेंट को मिल गया फिर उसके बाद ऐसे आरोप क्यों आ रहे हैं गणना पत्र के आधार पर प्रत्याशी अपने को आपको जीत हुआ मानते हैं पर जब हार जीत का प्रमाण पत्र मिलता है तो पता चलता है कि वह हार गए हैं। यदि यही चीज इस समय हो रही है तो तत्काल प्रत्याशी रिकाउंटिंग कर सकते थे पर परिणाम की गणना के बाद चोरी छुपे जीत का प्रमाण पत्र देने के लिए बुलाया जाता है और हर बार भाजपा समर्थन प्रत्याशी को ही जीत दिलाई जाती है ऐसा क्यों हो रहा है यह भी संदेह व्यक्त करता है।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-09 प्रेमनगर के कुछ मतदान केन्द्रों की पुर्नमतगणना कराये जाने की शिकायत दर्ज करते हुए सीमा सिंह टेकाम कहा की दिनांक 20/02/2025 को जिला पंचायत सूरजपुर के क्षेत्र क्रमांक-09 की वोटिंग प्रक्रिया संपन्न हुई है योटिंग प्रक्रिया के पश्चात सायंकाल मतगणना का कार्य किया गया। आवेदिका श्रीमती सीमा सिंह टेकाम भी जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-09 से जिला पंचायत सदस्य की प्रत्याशी थी। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-09 के मतदान केन्द्र क्रमांक (1) मतदान केन्द्र क्रमांक 50 प्रा.शा. कालीपुर (2) मतदान केन्द्र क्रमांक 07 प्रा. शा. बैगापारा चंदननगर (3) मतदान केन्द्र क्रमांक 32 आनंदपुर मा.शा. डूमरभवना (4) मतदान केन्द्र क्रमांक 27 पंचायत भवन नमना (5) मतदान केन्द्र क्रमांक 54 प्रा.शा. लक्ष्मणपुर (6) मतदान केन्द्र क्रमांक 40 प्राथमिक शाला सरईपारा पार्वतीपुर (7) मतदान केन्द्र क्रमांक 81 प्रा.शा. जोरा घोघरा नवापारा (8) मतदान केन्द्र क्रमांक 13 प्रा.शा. अभयपुर (9) मतदान केन्द्र क्रमांक 28 प्रा.शा. जूनापारा बकालो (10) मतदान केन्द्र क्रमांक 59 प्रा.शा. महोरा (11) मतदान केन्द्र क्रमांक 78 प्रा.शा. कनकपुर (12) मतदान केन्द्र क्रमांक 71 प्रा.शा. जूनापारा फुलकोना (13) मतदान केन्द्र क्रमांक 52 मा.शा. केदारपुर (14) मतदान केन्द्र क्रमांक 24 प्रा. शा. जयपुर (15) मतदान केन्द्र क्रमांक 22 मा.शा. कोतल (16) मतदान केन्द्र क्रमांक 23 प्रा.शा. कोतल (17) मतदान केन्द्र क्रमांक 77 प्र.शा. खजुरी (18) मतदान केन्द्र क्रमांक 05 प्रा. शा. चन्दननगर (19) मतदान केन्द्र क्रमांक 04 प्रा.शा. चन्दननगर भण्डारपारा (20) मतदान केन्द्र क्रमांक 47 प्रा. शा. नवापारा खुर्द में हुई मतगणना में काफी मत निरस्त किये गये हैं, आवेदिका को पूर्ण विश्वास है कि यदि सही मतगणना की जायेगी तो निश्चित रूप से आवेदिका की विजय होगी, आवेदिका को प्राप्त होने वाले अन्य मतों को निरस्त कर दिया गया आवेदिका के अभिकर्ताओं द्वारा मौखिक रूप से पुर्नमतगणना हेतु निवेदन किया गया परंतु पुनः मतों की गणना नहीं की जा सकी।

## मांजरेकर चैंपियंस ट्रॉफी की प्लेइंग टीम में भारतीय स्टार खिलाड़ी के न चुने जाने से निराश

**नई दिल्ली,23 फरवरी 2025।** भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में केएल राहुल की जगह ऋषभ पंत को मौका दिए जाने से निराश हैं। उन्होंने माना कि राहुल ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें नहीं लगता कि कोई अन्य विकेटकीपर-बल्लेबाज उनकी जगह ले सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले मांजरेकर का मानना है कि केएल अपने प्रदर्शन के कारण अपनी भूमिका बरकरार रखेंगे और पंत को मौका दिए जाने पर उन्हें दुख भी है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश पर जीत के साथ की।

# भारत ने पाकिस्तान को धमाकेदार अंदाज में चटाई धूल

### » कोहली के शतक से जीता भारत

**दुबई,23 फरवरी 2025।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला दुबई के मैदान पर खेला गया। इस मैच में पाकिस्तानी टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पाकिस्तानी टीम ने 241 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए सऊद शकील ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। गेंदबाजी में भारतीय टीम के लिए कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए। इसके बाद भारतीय टीम के लिए विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया और उन्होंने शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई।

### चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान से तीन मैच जीत चुकी है टीम इंडिया

चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास की बात की जाए तो इस मैच से पहले तक दोनों टीमें एक दूसरे के सामने पांच बार आई थीं। इसमें से तीन मैच पाकिस्तान ने जीते थे, वहीं दो ही मैच टीम इंडिया जीत पाई थी। लेकिन अब भारतीय टीम ने यहां भी पाकिस्तान जितनी ही जीत हासिल कर ली हैं। यानी अब छह मैचों के बाद दोनों टीमों ने तीन तीन मैच जीते हैं। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में पाकिस्तानी टीम एक भी बार मैच में नजर नहीं आई। भारत ने करीब करीब एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को पटकनी दी है।

### टीम इंडिया की सेमीफाइनल की सीट करीब करीब पक्की

टीम इंडिया की सेमीफाइनल की सीट पक्की सी हो गई है। टीम इंडिया ने जहां अपने खेले गए दोनों मैच जीत लिए हैं, वहीं पाकिस्तान को लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने पहले बांग्लादेश को हराया और उसके बाद पाकिस्तान को चारोखाने चित्त कर दिया। पाकिस्तान को पहले न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरे मैच में भारत ने बुरी तरह से हरा दिया। अब पाकिस्तान का एक मैच बाकी है। उसमें से बांग्लादेश से भिड़ना है।

### अब पाकिस्तान को बैठना होगा न्यूजीलैंड के भरोसे

टीम इंडिया का अगला मुकाबला अब न्यूजीलैंड से होना है, ये मैच 2 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जाना है। न्यूजीलैंड को इससे पहले 24 फरवरी को बांग्लादेश के बीच खिलाफ खेलना है। अब पाकिस्तान को उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड को हरा दें, ताकि न्यूजीलैंड की दो जीत ना हो पाएं। अगर न्यूजीलैंड की टीम बांग्लादेश से हार जाती है तो फिर पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल के रास्ते पूरी तरह से बंद हो जाएंगे। भले ही टीम अपने आखिरी मैच में बांग्लादेश को हरा ही क्यों ना दे। भारत के चार अंक हो चुके हैं, अगला मैच जीतते ही न्यूजीलैंड के भी चार अंक हो जाएंगे। इसके बाद पाकिस्तान अपना आखिरी मैच जीतकर भी दो ही अंक अर्जित कर सकता है। यानी पाकिस्तान पर अपनी ही मेजबानी में खेले गए इस टूर्नामेंट में पहले ही राउंड से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

# हेनरी और गौड़ के दमदार प्रदर्शन से यूपी वारियर्स का इस सत्र में खुला खाता

### दिल्ली कैपिटल्स को हराया

**बेंगलुरू,23 फरवरी 2025।** चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके।

21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (5) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरूंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने गुजरात जाइंट्स की सोफिया डंकली के रिकॉर्ड की बराबरी की।

जिन्होंने 2023 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ यह कारनामा किया था। आठवें नंबर पर उतरी हेनरी की इस पारी के दम पर यूपी ने दमदार स्कोर बनाया जबकि उसके विशेषज्ञ बल्लेबाज कुछ कर पाने में नाकाम रहे थे। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की ताजा पिच पर दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के छह विकेट 89 रन पर निकाल दिये थे। यूपी के लिये किरण नवगिरे ने 20 गेंद में 17 रन बनाये। इससे पहले मरियाने काप ने वृंदा दिनेश (4) को सस्ते में आउट किया। जेस जोनासेन ने दीप्ति शर्मा (13) और ताहलिया मैकग्रा (24) के विकेट लिये जबकि काप ने 13वें ओवर में ग्रेस हैरिस (2) को पवेलियन भेजा।

## दक्षिण अमेरिका में विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई करेगी मनु भाकर

**नयी दिल्ली,23 फरवरी 2025।** दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी सत्र दक्षिण अमेरिका में दो चरण के विश्व कप के साथ शुरू होगा। पहला टूर्नामेंट अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। वह विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। उनके साथ पेरिस ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू (पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल), ऐशा सिंह (महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल)), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस), सिफत कौर सामरा और श्रेयांका साडंगी (महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस), अर्जुन बबूता (पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल), पृथ्वीराज टोंडाइमान (ट्रैप), अनंत जीत सिंह नरूका (स्कीट) और रेइजा ढिल्लों (महिला स्कीट) भी टीम में हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने यहां 14 मार्च से टीम के लिये अभ्यास शिविर का आयोजन किया है। एनआरएआई ने एक बयान में कहा ,'' हर वर्ग में विश्व कप के तीन चरण होंगे जबकि दो जूनियर विश्व कप भी खेले जायेंगे। विश्व कप का दूसरा चरण सितंबर में दिल्ली में होगा। अगस्त में कजाखस्तान में 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप भी है।'' एनआरएआई ने हाल ही में मनु के कोच जसपाल राणा को 25 मीटर पिस्टल कोच नियुक्त किया है जबकि जीतू राय 10 मीटर एयर पिस्टल कोच होंगे। राइफल में मुख्य कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त दीपाली देशपांडे को बनाया गया है जो पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले की कोच हैं।

## भारत-पाक के बीच अहम मुकाबले में शमी टखने में दर्द के कारण मैदान से बाहर

**दुबई,23 फरवरी 2025।** भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रविवार को दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे मुकाबले के शुरुआती ओवरों में चोटिल हो गए, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। शमी ने पारी की शुरुआत में थोड़ा खराब फॉर्म में दिखे, उन्होंने पहले ही ओवर में पांच वाइड गेंदें फेंकी और पहले ओवर में कुल छह रन दिए। हालांकि, अगले दो ओवरों में उन्होंने सिर्फ चार और तीन रन दिए। अपने स्पेल के तीसरे ओवर में, यानी पारी के पांचवें ओवर में, शमी को चौथी गेंद के बाद टखने में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण फिजियो को मैदान में आकर जांच करनी पड़ी। अपने ओवर के बाद, शमी मैदान से बाहर चले गए, जैसा कि लाइव टेलीविजन, कमेंटेटर और क्रिकबज लाइव कमेंट्री में दिखाया गया। सातवां ओवर हार्दिक पांड्या ने किया।

## निकोले वेरेटेनिकोव ने ऑस्टिन वेंडरफोर्ड को पोस्ट-फाइट धक्का देकर विवाद खड़ा कर दिया

**वाशिंगटन,23 फरवरी 2025।** ऑस्टिन वेंडरफोर्ड ने यूएफसी में शानदार शुरुआत की, सिएटल में यूएफसी फाइट नाइट 252 में दूसरे राउंड में निकोले वेरेटेनिकोव को तकनीकी नॉकआउट से हराया। 34 वर्षीय अमेरिकी, जिन्हें पूर्व यूएफसी स्टार पैगी वैनजेंट के पति के रूप में भी जाना जाता है, ने अपने बेहतरीन ग्रैपलिंग कौशल का प्रदर्शन किया, वेरेटेनिकोव को कैनवास पर ले गए और उन पर कई प्रहार किए। वेंडरफोर्ड का प्रदर्शन प्रभावशाली था, क्योंकि उन्होंने केवल चार दिन पहले ही मुकाबला शुरू किया था। उन्होंने यूएफसी स्तर के लिए अपनी तत्परता का प्रदर्शन किया,मैच को शुरू से ही निर्यत्रित किया और शुरुआत में ही महत्वपूर्ण वार किए। रेफरी ने दूसरे राउंड के 4:13 पर मुकाबला रोक दिया, जो वेंडरफोर्ड की एमएमए करियर की 13वीं जीत थी। हालांकि, वेंडरफोर्ड और वेरेटेनिकोव के बीच मुकाबले के बाद हुए विवाद के कारण जीत में खलल पड़ गया। कजाख सेनानी, जो रोक से नाखुश था, वेंडरफोर्ड के पास गया और उसे पीछे से धक्का दिया, जिससे सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस घटना ने विवाद को जन्म दिया, जिसमें कई लोगों ने वेरेटेनिकोव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की।

## मांजरेकर ने पाक के खिलाफ मुकाबले से पहले अक्षर के पांचवें नंबर पर प्रदर्शन की सराहना की

**मुंबई,23 फरवरी 2025।** मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मैच से पहले, पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने अक्षर पटेल की टीम प्रबंधन द्वारा पांचवें नंबर पर पदोन्नत किए जाने पर अच्छी बल्लेबाजी के लिए सराहना की। चूंकि टीम इंडिया 2017 आईसीसी चैंपियनशिप फाइनल में ओवल में मेन इन ग्रीन से मिली हार का बदला लेना चाहती है, इसलिए पांचवें नंबर पर अक्षर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन को बनाए रखेंगे और स्पिनरों का अच्छी तरह से सामना कर सकते हैं। अब तक पांचवें नंबर पर अपने प्रदर्शन में अक्षर ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

## बिपाशा ने पति करण को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं...

अभिनेता करण सिंह ग्रोवर रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मनाया । उनकी पत्नी-अभिनेत्री बिपाशा बसु ने अभिनेता के लिए सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत पोस्ट डाला, जिसमें उन्होंने करण को शुभकामनाएं देते हुए खुद को और बेटी देवी को दुनिया की सबसे भाग्यशाली इंसान में से एक बताया। बिपाशा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साल 2015 में आई फिल्म 'अलोन' के सेट पर पहली बार मिलने से लेकर शादी के समय तक के पलों को दिखाया। इसमें देवी अपने मां-पापा के साथ छुट्टियां मनाती और खूब मस्ती करती भी दिखाई दी। पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे करण सिंह ग्रोवर मम्मा और देवी दुनिया की सबसे भाग्यशाली गर्ल्स हैं, जिन्हें आप पापा (देवी के पापा) बुम्बा के रूप में मिले हैं। उन्होंने अपने पोस्ट सेक्शन पर भी यही मोंटाज शेयर किया और कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे मंकी, आई लव यू। बिपाशा सोशल मीडिया पर अक्सर जिंदगी से जुड़े मजेदार पोस्ट शेयर करती रहती हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने पति करण सिंह ग्रोवर और अपनी लाडली देवी की एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें करण 'देवी के पापा' प्रिंटेड खास टीशर्ट पहने नजर आए। डैड (करण) और बेटी (देवी) की प्यारी सी झलक दिखाने के लिए बिपाशा ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। शेयर की गई तस्वीर में करण येलो कलर की टी-शर्ट पहने नजर आए, जिस पर 'देवी के पापा' प्रिंट है। वहीं, देवी भी येलो कलर का टॉप पहने नजर आई, जिस पर उसका नाम लिखा दिखाई दिया। तस्वीर में देवी अपने पापा को पीछे से गले लगाती हुई दिखाई दी। बिपाशा ने पोस्ट में मैरीन टेलर के ट्रैक 'डैड्स एंड डॉटर्स' को भी एड किया। बिपाशा और करण की पहली मुलाकात साल 2015 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म 'अलोन' के सेट पर हुई थी। एक साल तक डेट करने के बाद उन्होंने अप्रैल 2016 में शादी की। 12 नवंबर, 2022 को बिपाशा ने बेटी को जन्म दिया,जिसका नाम उन्होंने देवी रखा है।

## अर्जुन कपूर की ऑनस्क्रीन सास रियल लाइफ में हैं बेहद ग्लैमरस

### पिता का नाम गिनीज बुक में दर्ज

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह स्टारर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में अंतरा खन्ना की मां बन 80-90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस फिर से लाइमलाइट में आ गई हैं। हम बात कर रहे हैं टीवी जगत की सबसे ग्लैमरस दादी की जो इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है में कावेरी पोद्दार के किरदार में नजर आ रही हैं। वहीं मेरे हसबैंड की बीवी में अर्जुन कपूर की सास, रकुल प्रीत और डीनो मोरिया की मां बन छा गई हैं। इस फिल्म में उनका ग्लैमरस अंदाज और स्टाइल देख कोई भी उनका फैन बन जाएगा। हम बात कर रहे हैं अनीता राज की, जिन्होंने कम स्क्रीन स्पेस में कमाल कर दिया।

### कौन हैं अर्जुन कपूर की ऑनस्क्रीन सास?

मेरे हसबैंड की बीवी में अनीता राज ने सपोर्टिंग रोल प्ले कर एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वह सच में इंडस्ट्री की सबसे टैलेंटेड और लाजवाब एक्ट्रेस हैं। फिल्म में उनका लुक इतना स्टाइलिश दिखाया गया है कि आप उनसे अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे। बॉलीवुड फिल्मों और टीवी की दुनिया में अपने अभिनय का डंका बजवा चुकीं अनीता राज फिटनेस का खासा ख्याल रखती ही हैं। उन्होंने 1982 में मेहंदी रंग लाएगी से डब्यू किया था और आज तक वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। अनीता राज का नाम एक्टर धर्मेंद्र के साथ भी जुड़ा था। अनीता सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं।

### एक्ट्रेस के पिता का नाम गिनीज बुक में दर्ज

अनीता राज के पिता का नाम जगदीश राज था। उन्होंने 144 फिल्मों में पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार निभाया था। इसलिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम भी दर्ज है। 28 जुलाई 2012 में उनका निधन हो गया था। अनीता राज ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया। धर्मेंद्र, जितेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे स्टार के साथ काम कर चुकीं अनीता राज ने अपने करियर की शुरुआत राज बब्बर की फिल्म से की थी।

### बॉलीवुड-टीवी पर अनीता कर रहीं राज

इन दिनों अनीता ये रिश्ता क्या कहलाता है में दादी सा का रोल प्ले कर रही हैं। अनीता राज गुलामी, नौकर बीवी का, करिश्मा कुदरत का, जान की बाजी, सत्यमेव जयते जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस आशिकी, ईना मीना डीका जैसे कई टीवी शो में भी दिखाई दी हैं।

# स्वास्थ्य सूचकांक में छत्तीसगढ़ की ऊंची छलांग

» राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक में छत्तीसगढ़ ने मारी बाजी

» लगातार तीसरी बार हासिल किया दूसरा स्थान

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सूचकांक के मामले ऊंची छलांग लगाई है। बेहतर स्वास्थ्य सूचकांक के शीर्ष राज्यों में छत्तीसगढ़ दूसरे नम्बर पर आया है। राजकोषीय स्वास्थ्य मूल्यांकन कर नीति आयोग द्वारा जारी अध्ययन रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ 2022-23 की रैंकिंग में देश में दूसरे नंबर पर रहा। पांच अलग-अलग सूचकांकों के आधार पर जारी रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने 55.2 अंक प्राप्त किए। भारत में राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य के बारे में समझ विकसित करने के लिए नीति आयोग द्वारा यह पहल की गई है। उल्लेखनीय बात यह है कि छत्तीसगढ़ लगातार तीसरे साल देश में दूसरे नंबर पर रहा ।

नीति आयोग की रैंकिंग में देश के 18 प्रमुख राज्यों को शामिल किया गया। ये राज्य भारत की जीडीपी,छत्तीसगढ़ का खनिज से राजस्व जुटाने में लगातार अच्छा प्रदर्शन, जनसांख्यिकी, कुल सार्वजनिक व्यय, राजस्व और समग्र राजकोषीय स्थिरता में उनके योगदान के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं। चूंकि राज्य लगभग दो-तिहाई सार्वजनिक व्यय और कुल राजस्व के एक-तिहाई के लिए जिम्मेदार हैं, इसलिए उनका राजकोषीय प्रदर्शन देश की समग्र आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण माना गया। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के डेटा का उपयोग इस रैंकिंग के लिए किया गया। जिन पांच उप-सूचकांकों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है उसमें व्यय की गुणवत्ता, राजस्व जुटाना, राजकोषीय विवेक, ऋण सूचकांक और ऋण स्थिरता शामिल हैं। इसके अलावा, पांच प्रमुख उप-सूचकांकों राज्य-विशिष्ट राजकोषीय स्वास्थ्य मुद्दों को सामने लाने के लिए एक व्यापक राज्यवार विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की गई। 5 राज्यों का उच्च प्रदर्शन रैंकिंग में शीर्ष पांच उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्य ओडिशा, छत्तीसगढ़, गोवा, झारखंड और गुजरात हैं। जबकि आकांक्षी पाँच राज्य हरियाणा, केरल, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और पंजाब हैं। हालाँकि, पाँच उप-श्रेणियों में राज्यों का प्रदर्शन अलग-अलग है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश और बिहार का व्यय की गुणवत्ता के तहत अच्छा स्कोर है, लेकिन वे राजस्व जुटाने के मामले में निचले स्थान पर हैं।

### छत्तीसगढ़ ने कई बड़े राज्यों को पीछे छोड़ा

रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश जैसे कई बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। 2022-23 की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को 55.2 अंक प्राप्त हुए। इसमें व्यय की गुणवत्ता सूचकांक में 55.1, राजस्व जुटाना में 56.5, राजकोषीय विवेक में 56.0, ऋण सूचकांक में 79.6 और ऋण स्थिरता में 29.0 अंक मिले । छत्तीसगढ़ व्यय की गुणवत्ता में एचीवर श्रेणी में रहा, जबकि राजस्व जुटाने में फ्रंट रनर की श्रेणी में रहा। छत्तीसगढ़ 2020-21 से 2022-23 तक लगातार दूसरे नंबर पर बना हुआ है।

## प्रदेश के 5 सेंट्रल जेल,20 जिला जेल और 8 सब-जेल में कैदियों को कल गंगा जल से सामूहिक स्नान करवाया जाएगा

**रायपुर,23 फरवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश के जेलों में बंद कैदियों की भी इच्छाशक्ति होती है और वे भी गंगा स्नान का पुण्य लाभ लेना चाहते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल में 25 फरवरी को गंगा जल से सामूहिक स्नान करवाया जाएगा। इस पहल के तहत सभी कैदियों को गंगा जल से स्नान कर आध्यात्मिक शुद्धि का अवसर मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि संस्कार हमारी संस्कृति से जुड़े हैं और यह हमारी परंपराओं का एक अभिन्न हिस्सा है। समाज में सुधार और पुनर्वास की भावना के तहत यह निर्णय लिया गया है, जिससे कैदियों में आत्मशुद्धि और नैतिकता के भाव उत्पन्न हों।उन्होंने यह भी कहा कि यह महाकुंभ 144 साल बाद हो रहा है और हर व्यक्ति को इसका लाभ उठाने का अधिकार है। इसी सोच के तहत जेलों में बंद कैदियों को भी इस आध्यात्मिक अवसर से जोड़ा जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी जेल अधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश सरकार कैदियों के सुधार और उनके पुनर्वास के प्रति प्रतिबद्ध है और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

## प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

### शपथग्रहण से पहले व्हाईट हाउस को गंगाजल से पवित्र करेंगी महापौर

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** मैं प्रयागराज गई थी वहां से गंगाजल लेकर आई हूं और शपथग्रहण से पहले व्हाईट हाउस यानी रायपुर नगर निगम दफ्तर को इससे पवित्र करूंगी। ये कहना है राजधानी रायपुर की नई महापौर मीनल चौबे का।

### कुलपति और रजिस्ट्रार के खिलाफ लोक आयोग की जांच का आदेश हाईकोर्ट ने किया निरस्त

**बिलासपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** बस्तर विश्वविद्यालय में कंप्यूटर खरीदी के भुगतान में रिश्वतखोरी की शिकायत पर लोक आयोग द्वारा की गई जांच की अनुशंसा को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।

### हेड इंज्यूरी से तेंदुए की मौत

**गरियाबंद,23 फरवरी 2025(ए)।** उरतुली घाट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल तेंदुए की रायपुर जंगल सफारी में इलाज के दौरान मौत हो गई। आज सुबह करीब 5 बजे तेंदुआ गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर गरियाबंद फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में प्राथमिक उपचार दिया।तेंदुए की हालत लगातार बिगड़ने के कारण वन विभाग ने उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर जंगल सफारी रेफर किया। वहां पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने तत्काल ड्रिप और जरूरी उपचार शुरू किया, लेकिन सिर में गंभीर चोट (हेड इंजरी) होने के कारण तेंदुए को बचाया नहीं जा सका।

### सिम्स में फिर महिला जूनियर डॉक्टर के साथ छेड़खानी

### एचओडी पर आरोप, सिटी कोतवाली में एफआईआर

**बिलासपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** बलासपुर का सिम्स अस्पताल और मेडिकल कॉलेज जूनियर डॉक्टर से छेड़खानी को लेकर फिर चर्चा में आया है। सिम्स अस्पताल के मेडिसिन विभाग के एचओडी द्वारा जूनियर डॉक्टर के साथ छेड़छाड़ और उत्पीड़न करने के मामले में सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद सिम्स में हड़कंप मच गया है।

# छत्तीसगढ़ में आखिरी चरण का पंचायत चुनाव हुआ संपन्न

» नक्सली इलाकों में जमकर हुई वोटिंग

» 30 हजार 990 पंच, 3 हजार 802 सरपंच पद के लिए चुनाव

» 1122 जनपद सदस्य और 145 जिला पंचायत सदस्य के लिए चुनाव

» पंच पद के 76199, सरपंच पद के 17191 चुनाव मैदान में रहे...

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के अंतिम चरण में आज 50 विकासखंडों में मतदान हुआ। मतगणना 24 फरवरी को होगी, जिसके बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। तृतीय चरण में 30 हजार 990 पंच, 3 हजार 802 सरपंच, 1 हजार 122 जनपद सदस्य और 145 जिला पंचायत सदस्य के पदों के लिए मतदान हुआ है।

### अंतिम चरण में भैरमगढ़ जनपद के नक्सल क्षेत्रों में मतदान

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के तहत बीजापुर जिले में अंतिम चरण का मतदान रविवार सुबह से जनपद पंचायत भैरमगढ़ हुआ। भैरमगढ़ जनपद क्षेत्र के मिरतुर, नेलसनार, कुटरू, जांगला, कोसलनार, फरसेगढ़, बेदरे, दरभा, सहित नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुबह से मतदान के लिए बुजुर्गों, महिलाओं व पुरुषों की लाइन लगी रही।

मतदान केंद्रों में सुरक्षा का चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान केंद्रों का सतत निरीक्षण किया गया। जनपद पंचायत भैरमगढ़ के सीईओ पीआर साहू ने बताया की जनपद पंचायत भैरमगढ़ के 60 ग्राम पंचायतों के लिए 89 मतदान केन्द्र बनाए गए थे।

विकासखण्ड के 175 वार्डों में पंच का तथा 48 ग्राम पंचायतों में सरपंच का निर्वाचन हुआ। इसके अतिरिक्त 15 जनपद क्षेत्रों एवं 3 जिला पंचायत क्षेत्र में है।

पंच पद के 76 हजार 199, सरपंच पद के 17 हजार 191, जनपद सदस्य के 4 हजार 659 और जिला पंचायत सदस्य के 839 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहें हैं।

### इन विकासखंडों में मतदान

आज जिन विकासखंडों में चुनाव हुआ उनमें जिला बिलासपुर के विकासखण्ड कोटा एवं तखतपुर, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के विकासखण्ड मरवाही, जिला मुंगेली के विकासखण्ड पथरिया, जिला जांजगीर-चांपा के विकासखण्ड बलौदा एवं पामगढ़, जिला सक्ती के विकासखण्ड सक्ती एवं डभरा, जिला कोरबा के विकासखण्ड कटघोरा एवं पाली, जिला रायगढ़ के विकासखण्ड तमनार, लैलूंगा एवं घरघोड़ा, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के विकासखण्ड सारंगढ़ शामिल हैं।

इसके साथ जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी एवं प्रतापपुर, जिला बलरामपुर के विकासखण्ड वाड्रफनगर एवं रामचन्द्रपुर, जिला सरगुजा के विकासखण्ड लुण्ड्रा एवं बतौली, जिला कोरिया के विकासखण्ड बैकुण्ठपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखण्ड भरतपुर, जिला जशपुर के विकासखण्ड फरसाबहार, कांसाबेल एवं पत्थलगांव भी शामिल हैं।

इसी तरह जिला बलौदाबाजार के विकासखण्ड बलौदाबाजार एवं पलारी, जिला गरियाबंद के विकासखण्ड फिंगेश्वर एवं देवभोग, जिला महासमुंद के विकासखण्ड महासमुंद , जिला धमतरी के विकासखण्ड नगरी, जिला बेमेतरा के विकासखण्ड बेरला एवं साजा, जिला दुर्ग के विकासखण्ड धमधा, जिला बालोद के विकासखण्ड गुरूर एवं गुण्डरदेही, जिला राजनांदगांव के विकासखण्ड डोंगरगढ़ एवं डोंगरगांव में भी मतदान हुआ।

वहीं जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के विकासखण्ड अंबागढ़-चौकी, जिला जिला कोण्डागांव के विकासखण्ड केशकाल एवं बड़ेराजपुर, जिला बस्तर के विकासखण्ड बास्तानार बकावण्ड तथा तोकापाल, जिला नारायणपुर के विकासखण्ड ओरछा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर के विकासखण्ड अंतागढ़ एवं कोयलीबेड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के विकासखण्ड कुआकोण्डा, जिला सुकमा के विकासखण्ड कोन्टा तथा जिला बीजापुर के विकासखण्ड भैरमगढ़ में मतदान हुआ।

# प्रदेश में दुकानें अब 24 घंटे खुली रह सकेगी

» व्यापार को बढ़ावा देने और रोजगार के लिए सरकार का बड़ा फैसला

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ सरकार ने व्यापार को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए नई दुकान और स्थापना अधिनियम लागू किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस फैसले से अब व्यापारी अपनी दुकानें सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे खुली रख सकेंगे। इस कदम से न केवल व्यापारियों को लाभ होगा बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

सीएम के अनुसार,पहले दुकानों को सप्ताह में एक दिन बंद रखना अनिवार्य था, लेकिन अब व्यापारियों को अपनी सुविधा के अनुसार काम करने की छूट मिल गई है। हालांकि, सरकार ने कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। प्रत्येक कर्मचारी को अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश मिलेगा और किसी भी कर्मचारी से दिन में आठ घंटे से अधिक काम नहीं कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, सभी दुकान मालिकों को श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रमिक कल्याण योजनाओं का पालन करना होगा।

नए नियमों में दुकानों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। मौजूदा पंजीकृत दुकानों को छह महीने के भीतर बिना किसी अतिरिक्त लागत के श्रमिक पहचान संख्या (LIN) प्राप्त करनी होगी। हालाँकि,यदि आवेदन निर्धारित अवधि के बाद प्रस्तुत किया जाता है,तो नियमों के अनुसार शुल्क लागू होगा।

सरकार के अनुसार,इस फैसले से कारोबार में आसानी बढ़ेगी और छोटे व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। दुकान संचालन में अधिक लचीलापन आने से व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी, जिससे राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह नियम शराब की दुकानों पर लागू नहीं होगा।

राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सीएम साय के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ में दुकानें 24 घंटे खुली रहने से राज्यवासियों को बड़ा लाभ मिलेगा, खासकर मध्यम और छोटे कारोबारियों को इससे बड़ा लाभ मिलेगा।उन्होंने इस नियम से राज्य में और अधिक विकास के साथ-साथ रोजगार में वृद्धि को रेखांकित करते हुए कहा, ÷छत्तीसगढ़ में पहली बार सभी दुकानें खुली रहेंगी, इससे रोजगार भी पैदा होगा। छत्तीसगढ़ के शहर और जिले मेट्रो सिटी के रूप में विकसित होने जा रहे हैं। विकास की गति और तेज होगी। व्यवसायियों में खुशी की लहर है।

# छत्तीसगढ़ में आज से बजट सत्र प्रारंभ

» सीएम साय बोले-बजट में सभी वर्गों का रखा जाएगा ख्याल

» 3 मार्च को बजट पेश करेंगे वित्त मंत्री ओपी चौधरी

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कल 24 फरवरी से से हमारी सरकार का दूसरा बजट सत्र शुरू हो रहा है और इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा जाएगा। वहीं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आज राज्यपाल के अभिभाषण से सत्र की शुरुआत होगी। 3 मार्च को वित्त मंत्री ओपी चौधरी बजट पेश करेंगे।

इस सत्र के लिए 2367 प्रश्न की सूचना मिली है,जिसमें से 2067 तारांकित प्रश्न हैं। वहीं सरकार ने दो विधेयक विनियोग विधेयक और छत्तीसगढ़ पंचायत राज संशोधन विधेयक पेश करने की सूचना दी है। डॉ. सिंह ने बताया कि कल राज्यपाल के अभिभाषण के बाद नए विधानसभा भवन का निरीक्षण के लिए सभी सदस्य नवा रायपुर जाएंगे।

# हिमालयन भालू मामले में वन विभाग पर शिकंजा

» वन विभाग बताए कहां गया हिमालयन भालू

» नागालैंड से लेकर निकले थे दो,जंगल सफारी पंहुचा सिर्फ एक...

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** नागालैंड के धीमापुर जू से नंदन वन जंगल सफारी के वन्यजीवों के एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जंगल सफारी से पांच चीतल और दो ब्लैक बैग लेकर दो विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गई थी और वापसी में नागालैंड के जू से दो हिमालयन भालू लेकर निकली, पर सिर्फ एक ही हिमालय भालू जंगल सफारी रायपुर, तीन दिन पहले पहुंचा, जिसे क्वॉरेंटाइन में रखा है।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि एक हिमालयन भालू कहां गया? क्या रास्ते में डॉक्टरों को चकमा देकर भाग गया या चोरी हो गया या कुछ और हुआ? जबकि वास्तविकता यह है कि एक हिमालयन भालू रास्ते में डॉक्टर की लापरवाही के चलते मर गया और वन विभाग उसे छुपता रहा।

# छत्तीसगढ़ में नए डीजीपी की तलाश

» अब तक यूपीएससी को पैनल नहीं भेजा,चार नाम हो सकते हैं शामिल

**रायपुर,23 फरवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ में डीजीपी के पद के लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक स्थायी पैनल नहीं भेजा गया है। पिछले दिनों राज्य के डीजीपी के पद से अशोक जुनेजा के सेवानिवृत्त होने के बाद अरुणदेव गौतम के डीजीपी बनाया गया है। बताया गया है कि वे प्रभारी डीजीपी के रूप में काम कर रहे हैं। स्थायी डीजीपी के लिए राज्य सरकार पैनल यूपीएससी को भेजेगी। आमतौर पर तीन डीजी का पैनल भेजा जाता है। अरुणदेव सहित तीन डीजी पहले से हैं। छत्तीसगढ़ में डीजीपी के पद के लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक स्थायी पैनल नहीं भेजा गया है। पिछले दिनों राज्य के डीजीपी के पद से अशोक जुनेजा के सेवानिवृत्त होने के बाद अरुणदेव गौतम के डीजीपी बनाया गया है।बताया गया है कि, वे प्रभारी डीजीपी के रूप में काम कर रहे हैं। स्थायी डीजीपी के लिए राज्य सरकार पैनल यूपीएससी को भेजेगी। आमतौर पर तीन डीजी का पैनल भेजा जाता है। अरुणदेव सहित तीन डीजी पहले से हैं। जीपी सिंह के प्रमोशन के बाद अब चार हो गए हैं।

### नए पैनल में शामिल हो सकते हैं ये नाम

राज्य शासन ने अभी यूपीएससी को संभव है कि सरकार पैनल में सबको शामिल करे। राज्य शासन के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो प्रदेश में पूर्णकालिक डीजीपी के पद के लिए अभी प्रक्रिया होनी बाकी है। इससे पूर्व में जब अशोक जुनेजा के संविदा नियुक्ति से रिटायर होने के पहले राज्य शासन ने यूपीएससी दिल्ली को तीन अधिकारियों के नामों का पैनल भेजा था। इन नामों में से एक नाम अरुणदेव गौतम पर सहमति बनी थी। इधर जुनेजा के सेवानिवृत्त होने के बाद 4 फरवरी से गौतम यहां प्रभारी डीजीपी के रूप में काम कर रहे है।

डीजीपी के पूर्णकालिक पद के लिए नामों का पैनल नहीं भेजा है, लेकिन जब भी ये पैनल भेजा जाएगा, उसमें चार या पांच अधिकारियों के नाम शामिल हो सकते हैं। इनमें अरुणदेव गौतम,पवनदेव,हिमांशु गुप्ता के नाम प्रमुख हैं। इसी क्रम में अब जीपी सिंह का नाम भी दावेदारों में शामिल है। वे दावेदारों में शामिल है। वे हाल ही में डीजी के रूप में पदोन्नत हुए हैं। इससे पहले जब तीन नामों का पैनल भेजा गया था, तब वे इसमें शामिल नहीं थे,क्योंकि उस समय उनसे संबंधित न्यायालयीन विवाद लंबित थे। अब सभी विवादों का निपटारा हो चुका है। प्रदीप गुप्ता भी दावेदार हैं। क्योंकि गुप्ता की सेवा अवधि 30 साल होने के कारण वे भी डीजीपी पद के दावेदारों में शामिल हो सकते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)